ममता से 30 साल पुरानी दोस्ती... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई... 11

वर्ष - 02, अंक - 104 | गाजियाबाद / शुक्रवार 17 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू

पुरी में दर्शन के लिए उमड़ी भीड़,बारिश भी नहीं तोड़ पाई भक्तों का हौंसला

अहमदाबाद/ पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा गुरुवार से विधि विधान के साथ शुरू हो गई थी। यह हिंदू धर्म के सबसे बड़े, भव्य और प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है। भगवान जगन्नाथ की एक झलक पाने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुरी पहुंचे।

'नीलाचल-निवासया नित्याया परमात्मने, बलभद्र-सुभद्राभ्यां जगन्नाथाय ते नमः' (मैं भगवान जगन्नाथ को नमन करता हूँ, जो शाश्वत परमात्मा हैं और नीलाचल (पुरी) में अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रहते हैं – जगन्नाथ स्तोत्र)। जरूरी यह नहीं है कि भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए कितने भक्त इकट्ठा हुए हैं. जरूरी यह है कि त्रिदेव, यानी भाई-बहन, भक्तों से मिलने के लिए अपने पवित्र घर से बाहर निकलने के लिए कितने उत्सूक हैं।

हर गुजरते पल के साथ भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही थी कुछ लोग भक्ति में नाचते हुए दिख रहे थे,कुछ बुजुर्गों और बच्चों को लेकर भक्ति में डूबे हुए थे, जबकि कुछ लोग सिंहद्वार (शेर का दरवाजा) पर अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं, जहाँ देवता नाचते हुए पारंपरिक पहंडी (जुलूस) में बाहर निकल रहे थे। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की शुरुआत आज से हो चुकी है। सीएम भूपेंद्र पटेल और डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने सोने की झाड़ू से पहिंद विधि कर यात्रा की शुरुआत की। गृह मंत्री अमित शाह ने पूजा अर्चना की।

चारों देवता यात्रा में शामिल– पहले भगवान सुदर्शन, दूसरे बलभद्र, तीसरे देवी सुभद्रा और आखिर में महाप्रभु श्रीजगन्नाथ रथ पर सवार होकर यात्रा में शामिल थे।

पीएम मोदी ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'रथ यात्रा के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। यह भारत की हमेशा रहने वाली आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का एक अनोखा उदाहरण है। रथ यात्रा से जुड़ी परंपराओं ने भारत और दुनिया भर में पीढ़ियों को प्रेरित किया है। यह विनम्रता, सामूहिक भागीदारी और निस्वार्थ सेवा को दिखाता है। भगवान जगन्नाथ सभी को अच्छी सेहत, खुशी और समृद्धि दें। वह हमें हमारे सभी कामों के लिए शक्ति दें और समाज में एकता की भावना को और मजबूत करें। जय जगन्नाथ!'

पुरी में भगदड़, 1 की मौत, कई घायल

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे। यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक–दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक–दूसरे पर गिरने लगे। पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस

- सोनिया गांधी के घर पर बैठक के बाद बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को निर्णय लिया कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी अनियमितता, पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी, एथेनॉल, परिसीमन से जुड़े विषय तथा कई अन्य मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगी।

पार्टी का यह भी कहना है कि वह इस सत्र में विदेश नीति के अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित

जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े विषय को भी प्रमुखता से उठाएगी। इसी क्रम में पार्टी की संसदीय रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास '10, जनपथ' पर एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

पीएम मोदी आज भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब को देंगे 25 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वो करीब 25 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री जींद रेलवे स्टेशन पर जींद और सोनीपत के बीच

चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद पीएम चंडीगढ़ जाएंगे, जहां दोपहर करीब 1:45 बजे वो 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री जालंधर पहुंचेंगे, जहां वो 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। वहीं पीएम मोदी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएँगे।

पश्चिम बंगाल में तांत्रिक प्रेमी के लिए पति की बलि

पत्नी समेत पांच गिरफ्तार

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। हंसखोवा चाय बागान में मिले सिर कटे शव की गुत्थी को बागडोगरा थाना पुलिस ने दो दिनों में सुलझा दिया है। हत्या क आरोप में पत्नी और उसके तांत्रिक प्रेमी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सनसनीखेज इस हत्याकांड में अवैध संबंध और अंधविश्वास का एक खौफनाक ताना–बाना सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान इमाम खुआ के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के

किशनगंज जिले के पोठिया का रहने वाला था।पेशे से दिहाड़ी मजदुर इमाम था, उसकी हत्या की साजिश पत्नी और उसके तांत्रिक प्रेमी ने रचाई। पुलिस की माने तो आरोपित तांत्रिक का मृतक इमाम खुआ की पत्नी के साथ काफी समय से अवैध संबंध चल रहा था। इमाम खुआ उनके रास्ते का कांटा बन रहा था। इस कांटे को हटाने के लिए तांत्रिक ने उसकी पत्नी को अपने जाल में फंसाया और हत्या की खौफनाक योजना तैयार की। तांत्रिक के उकसाने पर पत्नी और उसके दो रिश्तेदारों सहित चार लोगों ने मिलकर इमाम खुआ को मौत के घाट उतार दिया।

जीभ काटकर लाओ 10 लाख इनाम में पाओ

- भगवान कृष्ण को मुस्लिम बताने वाले मौलाना पर विष्णु दास का बड़ा ऐलान

अयोध्या (एजेंसी)। इटावा के मौलाना जर्जिस अंसारी के विवादित बयान पर अब हंगामा मच गया है। दरअसल, मौलाना ने अपने एक पुराने भाषण में कहा था कि भगवान श्री कृष्ण

मुस्लिम हैं और दिन में पांच बार नमाज पढ़ते हैं। मौलाना के इस बयान पर हिंदू संगठन और संत समाज के लोग भड़क उठे हैं। अयोध्या के संत विष्णु दास ने मौलाना के बयान की निंदा करते हुए कहा है कि जो कोई मौलाना जर्जिस अंसारी की जीभ काटकर लाएगा, उसे वह 10 लाख रुपये का नकद इनाम देंगे।

पूरी बीजेपी को बदलने वाले हैं मोदी-शाह!

- फैसले लेने वाले संसदीय बोर्ड में बदलाव संभव, मंत्रिपरिषद में भी फेरबदल की अटकलें

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी में संगठनात्मक स्तर पर बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक निकायों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसमें पार्टी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था 'संसदीय बोर्ड' भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है। इसी के बाद से ये अटकलें लगाई जा रही हैं। इससे पहले जून की शुरुआत में भी पीएम मोदी ने बीजेपी के टॉप नेताओं के साथ उच्च स्तरीय बैठक की थी।

मोदी-शाह-नितिन नवीन की मुलाकात, ये हैं संकेत– मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मोदी की शाह और नितिन नवीन से मुलाकात के बाद पार्टी में संगठनात्मक स्तर पर बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। पदाधिकारियों की

सूची पर पार्टी के बड़े नेताओं के बीच बातचीत का एक और दौर माना जा रहा है।

हालांकि इस बैठक के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों की संभावित सूची और केंद्रीय मंत्रिपरिषद में संभावित फेरबदल को लेकर काफी समय से अटकलें लगाई जा रही हैं।

नितिन नवीन की नई टीम का जल्द हो सकता है ऐलान– सूत्रों का कहना है कि नितिन नवीन के नेतृत्व में नई टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी और राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक निकायों में बड़े बदलाव की योजना है, जिसमें पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था 'संसदीय बोर्ड' भी शामिल है।

- **जून में भी हुई थी ऐसी उच्चस्तरीय बैठक, बड़ी बातें सामने आई थीं–** इससे पहले 1 जून को भी पीएम मोदी ने बीजेपी के शीर्ष नेताओं के साथ एक उच्च–स्तरीय बैठक की थी। यह बैठक पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले बदलावों और एक बड़े संगठनात्मक बदलाव की शुरुआत का संकेत माना गया था। उस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी महासचिव (संगठन) बीएल संतोष और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) के कई सदस्य शामिल हुए। बैठक का मकसद मुख्य रूप से आगामी राज्यसभा चुनावों और कई राज्यों में विधान परिषद चुनावों पर चर्चा करना था।
- **अरसे से बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में नहीं हुआ बदलाव–** मीडिया रिर्टो के अनुसार बीते 16 जून को एक रिपोर्ट में बताया था कि हाल के वर्षों में बीजेपी का विस्तार तो हुआ है, लेकिन इसके साथ ही पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में जरूरी बदलाव नहीं किए गए, जिससे पार्टी नेतृत्व पर भारी दबाव बना हुआ है।

ई20 पेट्रोल से गाड़ी खराब होने का दावा

रायपुर कंज्यूमर कोर्ट का आदेश- कंपनी नई कार दे या पूरे पैसे लौटाए

रायपुर (एजेंसी)। देश में ई-20 पेट्रोल को लेकर छिड़े विवाद के बीच छत्तीसगढ़ में रायपुर कंज्यूमर कोर्ट ने देश का पहला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ई-20 पेट्रोल की वजह से गाड़ी खराब होने की शिकायत के बाद अदालत ने गाड़ी के मालिक के हक में फैसला सुनाते हुए कार कंपनी को आदेश दिया कि या तो नई कार दी जाए नहीं तो पूरे पैसे वापस किए जाएं। मालिक का आरोप था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से उसकी गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा। उपभोक्ता का दावा है कि ई20 पेट्रोल भरवाने के बाद गाड़ी के इंजन में बार-बार दिक्कतें आने लगीं।

यह है पूरा मामला?

शिकायत के मुताबिक, बार–बार मरम्मत के बावजूद ये दिक्कतें बनी रहीं और आखिर में इंजन से जुड़े बड़े खर्च करने पड़े। झगड़ा इस बात पर था कि क्या ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल मैकेनिकल दिक्कतों के लिए जिम्मेदार था। गाड़ी बनाने वाली कंपनी और डीलर ने इस दावे का विरोध यह कहते हुए किया कि मॉडल ई20 फ्यूल के साथ पूरी तरह से कम्पैटिबल था और ये खराबी रेगुलर टूट–फूट, मेंटेनेंस की दिक्कतों या दूसरी अलग वजहों से हुई थीं।

मुआवजा देने का भी दिया आदेश

शिकायत को स्वीकार करते हुए आयोग ने निर्माता और डीलर को वाहन मालिक के मरम्मत का खर्च वापस करने का निर्देश दिया। साथ ही मानसिक परेशानी और कानूनी कार्यवाही के दौरान हुए खर्च के लिए मुआवजा देने का भी आदेश दिया। आदेश में पालन के लिए एक समय–सीमा भी तय की गई और कहा गया कि अगर तय समय के अंदर मुआवजे की रकम का भुगतान नहीं किया गया तो उस पर ब्याज देना होगा। इस फैसले पर लोगों का ध्यान जाने की संभावना है क्योंकि भारत अपने इथेनोल–ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल बढ़ा रहा है।

ममता बनर्जी को एक और झटका

टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

बताया जाता है कि उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यसभा के सभापति को सौंप दिया है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने इस सिलसिले में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया है. कोयल मल्लिक के इस्तीफे के बाद राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों की संख्या घटकर 9 रह गई है।

अप्रैल में ही टीएमसी ने भेजा था राज्यसभा– कोयल मल्लिक टीएमसी की राज्यसभा सांसद थीं और पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें इसी साल अप्रैल महीने में ही राज्यसभा भेजा था। लेकिन कुछ महीनों के अंदर ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें

- बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा, सरकार से कहिए ऐसा न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के क्लास 9 लेवल पर तीसरी भाषा को जरूरी बनाने के फैसले पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि इससे बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स पर पढ़ाई का दबाव पड़ता है, जिसे टाला जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसी कोई भी भाषा क्लास छठी कक्षा से शुरू की जानी चाहिए।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा, ये बातें इसलिए अहम हैं क्योंकि ये सीबीएसई के क्लास 9 के स्टूडेंट्स के मौजूदा बैच के लिए एक बार की छूट देने के ऐलान के ठीक दो हफ्ते बाद आई हैं, जिसमें उन्हें क्लास 10 की बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा लेने से छूट दी गई है। ऐसा स्कूलों, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स की तरफ से इस पॉलिसी को अचानक लागू करने को लेकर काफी चिंता के बाद किया गया था।

जस्टिस नागरत्ना ने ये बातें मद्रास हाई कोर्ट के 2017 के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील की सुनवाई के दौरान कहीं, जिसमें राज्य को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने में मदद करने का निर्देश दिया गया था। तमिलनाडु ने लगातार इस स्कीम का विरोध किया है, और कहा है कि जेएनवी तीन-भाषा की पॉलिसी को फॉलो करते हैं जो राज्य की लंबे समय से चली आ रही दो-भाषा की पॉलिसी से मेल नहीं खाती।

ट्रेन में शूटर से कराया इंजीनियर पति का मर्डर

- बिहार में अफसर पत्नी ने शादी के बाद ही बॉयफ्रेंड के साथ प्लानिंग शुरू कर दी थी

व कुमार गुंजन, पति | अस्मिता कुमारी, पत्नी | अजीत कुमार, प्रेमी

सुपौल (एजेंसी)। बिहार के सुपौल में अफसर पत्नी ने चलती ट्रेन में अपने इंजीनियर पति की हत्या करा दी। पुलिस ने बताया कि 8 साल पहले 2018 में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर अस्मिता की शादी इंजीनियर देव कुमार गुंजन से हुई थी।

शादी के दूसरे दिन से ही अस्मिता पति की हत्या की साजिश रच रही थी। इसमें उसका बॉयफ्रेंड अजीत कुमार शामिल था। दोनों ने शूटर राजू कुमार को मर्डर के लिए 4 लाख रुपये की सुपारी दी थी। राजू ने पिछले महीने 11 जून को जनसाधारण एक्सप्रेस में देव कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपियों ने इसे लूटपाट के दौरान हुई घटना साबित करने की कोशिश की थी। पुलिस ने कॉल डिटेल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अस्मिता कुमारी, अजीत कुमार और शूटर राजू कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। अस्मिता, देव कुमार और अजीत कुमार ने 2017 में बिजली विभाग से एकसाथ अपना करियर शुरू किया था। देव-अस्मिता की शादी हुई, लेकिन शादी के बाद अस्मिता और अजीत करीब आ गए।

हत्या कब और कहां

देव कुमार गुंजन 11 जून को जमुई से जनसाधारण एक्सप्रेस लेकर अपनी पत्नी अस्मिता से मिलने सुपौल जा रहे थे। रात करीब 8:30 बजे मानसी स्टेशन और बदलाघाट रेलवे स्टेशन के बीच शूटर राजू ने देवकुमार की हत्या कर दी। देव कुमार मूल रूप से झारखंड के गोड्डा के रहने वाले थे। वे जमुई के मलयपुर पावर ग्रिड में ग्रेड–वन टेक्नीशियन के पद पर थे। पत्नी अस्मिता सुपौल में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर है। बॉयफ्रेंड भी ग्रेड–वन टेक्नीशियन की पोस्ट पर है।

पत्नी ने कहा– लूटपाट के विरोध में हत्या– अस्मिता कुमारी ने पुलिस को बताया कि उनके पति ट्रेन में लूटपाट का विरोध करने पर मारे गए हैं। पुलिस ने इसी आधार पर अपनी जांच शुरू की। लुटेरों ने सिर्फ गुंजन को गोली क्यों मारी? क्या यह सिर्फ लूट थी? इन सवालों को जांच का आधार बनाया।

अस्मिता–अजीत के बीच 186 बार फोन कॉल–देव कुमार गुंजन के मोबाइल फोन की जांच हुई तो पुलिस को एक नंबर मिला, जो कमीना नाम से सेव था। उस नंबर की कॉल डिटेल और चैट रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि पिछले एक साल में अस्मिता और उस नंबर के बीच 186 बार बातचीत हुई थी।

ममता से 30 साल पुरानी दोस्ती तोड़ कर किया आर-पार का ऐलान

राजनीति के 'गांधारी' और 'हिटलर' पर मदन मित्रा का तीखा वार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। तीन दशकों तक ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे कामारहाटी के विधायक मदन मित्रा ने अब पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ममता बनर्जी के साथ अपनी राजनीतिक दोस्ती को दरकिनार कर 'आर-पार' की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। मदन मित्रा का यह बागी तेवर राज्य की सियासत में नई बहस छेड़ चुका है।मदन मित्रा ने अपनी नाराजगी की मुख्य वजह पार्टी के भीतर का 'दमघोंटू' माहौल बताया है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ समय से पार्टी में उनका दम घुट रहा था और काम करने के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं थीं। ममता बनर्जी के आसपास का दायरा सिमटने की बात करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए ममता को 'गांधारी' या 'धृतराष्ट्र' जैसी संज्ञा दी। मदन मित्रा का तंज साफ था कि नेतृत्व सब कुछ देखते हुए भी आंखें मूंदे बैठा है।

उन्होंने अभिषेक बनर्जी पर सीधा और सबसे तीखा हमला करते हुए उनकी तुलना 'हिटलर' से कर डाली। मदन मित्रा का आरोप है कि पार्टी में अब सिर्फ एक व्यक्ति की चलती है और जो उनके फैसलों पर सवाल उठाता है, उसकी मुश्किलें बढ़ जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे इस व्यवस्था से तंग आकर ही कालीघाट कैंप से दूरी बनाने पर मजबूर हुए हैं। हाल ही में चर्चा रही कि उन्होंने ममता बनर्जी से माफी मांगी है। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए मदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने व्हाट्सएप के जरिए ममता को माफी का संदेश जरूर भेजा था क्योंकि वे आज भी उनका व्यक्तिगत सम्मान करते हैं। लेकिन उन्होंने साफ किया कि माफी मांगने का मतलब यह कतई नहीं है कि उनकी राजनीतिक परेशानियां खत्म हो गई हैं या वे पार्टी के तानाशाही रवैये से सहमत हैं। मदन मित्रा ने 21 जुलाई के कार्यक्रम और उसमें शामिल होने वाली भीड़ पर भी कटाक्ष किया। हाईकोर्ट के आदेश और भीड़ के दावों पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य की राजनीति का चेहरा बदलने का समय आ गया है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी अजेय नहीं है और यदि विपक्षी ताकतें एकजुट हो जाएं, तो आने वाले एक साल के भीतर पश्चिम बंगाल की राजनीति की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी। उनके इस बगावती तेवर ने सत्ताधारी दल के अंदरूनी कलह को सार्वजनिक कर दिया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा : शंकराचार्य निश्चलानंद से धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेताओं ने की मुलाकात

पुरी (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरीपीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज से मुलाकात की। प्रधान ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- पावन रथ यात्रा के शुभ अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरी पीठ के पूज्यपाद जगद्गुरु शंकराचार्य के श्रीचरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनका स्नेह और आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा देता है। सनातन परंपरा एवं श्री जगन्नाथ संस्कृति के इस महान आध्यात्मिक केंद्र में उपस्थित होकर मन श्रद्धा, शांति और आनंद से अभिभूत है। इससे पहले सीएम मोहन चरण माझी ने जगद्गुरु शंकराचार्य से मुलाकात की थी। उन्होंने आगे लिखा कि श्री गोवर्धन मठ में मुझे परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज की दिव्य उपस्थिति और उनके अमृतमयी आशीर्वाद को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने लिखा कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, मानवीय मूल्यों की स्थापना और सामाजिक समरसता की रक्षा के लिए, परम पूज्य शंकराचार्य जी का अमूल्य जीवन-दर्शन और मार्गदर्शन सदैव एक प्रकाश-पुंज का कार्य करता है। जगद्गुरु की इस पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन ने मुझे राज्य की जनता की निरंतर सेवा के लिए नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भर दिया है। पुरी से बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने भी शंकराचार्य से मुकालात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा- आज श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में मुझे गोवर्धन मठ के परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वतीजी महाराज के दर्शन और पवित्र आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

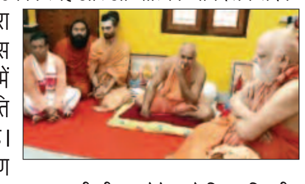

प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रहीं महिलाओं ने मांगी इच्छामृत्यु

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में पांच महिलाएं, जो प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रही हैं, उन्होंने अब डायलिसिस कराने से इनकार कर दिया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से या तो किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करने या इच्छामृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध किया है। इन महिलाओं ने अपने परिजनों के साथ मिलकर जिला अधिकारियों को किडनी ट्रांसप्लांट सुनिश्चित करने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद यह गंभीर कदम उठाया गया है। परिजनों का कहना है कि वे अपनी पत्नियों को इस तरह तड़पते हुए और नहीं देख सकते और अगर लिखित आश्वासन नहीं मिला तो वे उन्हें डायलिसिस के लिए लाना बंद कर देंगे। उनके अनुसार, ये महिलाएं चलती-फिरती लाशों की तरह जी रही हैं। मई की शुरुआत में बच्चे के जन्म के बाद से ही धन्नी सुमन, रागिनी मीणा, सुशीला महावर, पिंकी एयरवाल और आरती चौबदार नाम की इन महिलाओं की सेहत लगातार बिगड़ती गई है। वे 70 से अधिक दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं और इस दौरान उन्हें 32 बार डायलिसिस से गुजरना पड़ा है। सुमन के पति मोहन लाल ने बताया कि उनकी पत्नी को अब डायलिसिस शब्द से ही डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के एक घंटे के भीतर ही उन्हें उल्टी होने लगती है, वे बुरी तरह कांपने लगती हैं और तेज बुखार आ जाता है। इसी तरह, रागिनी ने भी डायलिसिस को बेहद दर्दनाक बताया और शिकायत की कि लंबे समय तक चले इलाज के बावजूद उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। पिंकी और आरती तो डायलिसिस से मना कर अस्पताल से बाहर भी चली गईं, अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए। रागिनी के पति लोकेश मीना ने यह भी दावा किया कि वार्ड स्टाफ उन पर रोज डिस्चार्ज लेने का दबाव डाल रहा है। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एनएमसीएच) के अधिकारियों ने हालांकि इन आरोपों को खारिज किया है। एनएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ. नीलेश जैन ने बताया कि सभी पांचों महिलाओं का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें 20 दिन पहले ही डिस्चार्ज करने की मंजूरी मिल गई थी और वे डायलिसिस सेशन के लिए अस्पताल आ सकती हैं। डॉ. जैन ने यह चेतावनी भी दी कि डायलिसिस से इनकार करना जानलेवा हो सकता है।

विद्युत संकट गंभीर समस्या, सांसद सैलजा ने सीएम को पत्र लिख की समाधान की मांग

सिरसा (एजेंसी)। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कालांवाली शहर और आसपास के इलाकों में लगातार बनी हुई विद्युत संकट की समस्या को गंभीर जनहित का विषय बताते हुए हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है। पत्र में कुमारी सैलजा ने कहा है कि चोरमार से कालांवाली आने वाली मुख्य विद्युत लाइन में बार-बार तकनीकी खराबियां आने से इलाके में बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। इससे आम नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्य संस्थानों, लघु उद्योगों तथा अन्य जरुरी सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में यह समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलजा ने सीएम सैनी से आग्रह किया है कि संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश देकर मुख्य विद्युत लाइन का तकनीकी परीक्षण, आवश्यक उन्नयन, क्षमता वृद्धि, मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, ताकि कालांवाली एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से स्थायी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े इस विषय का शीघ्र समाधान किया जाना जरुरी है।

संजय राउत ने सीएम फडणवीस से रामरक्षा कार्यक्रम में आने का किया आग्रह

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 19 जुलाई को नागपुर में आयोजित हो रहे रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने उन्हें एक पत्र भी लिखा है और पोस्ट करते हुए कहा कि सीएम फडणवीस, रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने जरूर आइए। हम सभी आपके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य ने पत्र में मुख्यमंत्री फडणवीस को प्रखर राष्ट्रभक्त और कट्टर हिंदुत्ववादी बताकर लिखा कि उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि वे भी अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। राउत ने कहा कि करोड़ों रामभक्तों की तरह फडणवीस की भी यह इच्छा थी कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बने और अब वह सपना साकार हो चुका है। पत्र में राउत ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राम मंदिर को लेकर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। इसतरह के प्रचार से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस ध्यान में रखते हुए शिवसेना (यूबीटी) की ओर से रामरक्षा अभियान शुरू किया गया है। संजय राउत ने मुख्यमंत्री फडणवीस से आग्रह किया है कि वे 19 जुलाई, को शाम 4-30 बजे नागपुर के रामनगर स्थित राम मंदिर में आयोजित रामरक्षा कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हों और वहां उपस्थित रामभक्तों का मार्गदर्शन करें। राउत के इस निमंत्रण को महाराष्ट्र की राजनीति में भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने राजनीतिक मतभेदों से अलग हटकर मुख्यमंत्री फडणवीस को खुले तौर पर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री फडणवीस निमंत्रण को स्वीकार करते हैं या नहीं।

दिल्ली में रफ्तार का कहर : डंपर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को बुद्ध विहार-कंझावला रोड पर तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने एक महिला को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त रोहिणी निवासी प्रियंका के रूप में हुई है। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। शव को सड़क से हटाने के बाद यातायात को सामान्य कराया गया। पुलिस ने हादसे में शामिल डंपर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह दर्दनाक हादसा दिल्ली में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और हिट-एंड-रन मामलों की गंभीर स्थिति को दिखाता है। एक दिन पहले ही सिंघु बॉर्डर के पास ड्यूटी पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत हुई थी।

पीएम मोदी आज आएंगे चंडीगढ़, ट्रैफिक पुलिस ने किया प्रमुख मार्गों को डायवर्ट

-लोगों को सलाह वैकल्पिक रास्तों का करें इस्तेमाल, साइकिल ट्रैक, फुटपाथ खड़े ना करें वाहन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ आ रहे हैं। उनके दौरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है ताकि लोगों को आने-जाने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। पुलिस के मुताबिक चंडीगढ़-नयागांव बैरियर से लेकर पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज लाइट प्वाइंट और सेक्टर-2/3/10-11 चौक तक ट्रैफिक प्रभावित रह सकता है, जिसके चलते ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। वहीं लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 3 बजे तक इस रूट का इस्तेमाल करने से बचें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक रास्तों का सहारा लें।

इसके अलावा ट्रैफिक की ताजा जानकारी प्राप्त करने के लिए लोगों से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर बनाए रखने की अपील की गई है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों, अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहन केवल तय पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। साइकिल ट्रैक, फुटपाथ या नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर वाहनों को टो भी किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि पीएम मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर के जरिए राजेंद्र पार्क जाएंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेंगे। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने दो संभावित रूट तय किए हैं। पहले रूट के मुताबिक पीएम का काफिला राजेंद्र पार्क से रवाना होकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री आवासों के बीच वाले मार्ग से विज्ञान पथ होते हुए सीधे पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वहीं वैकल्पिक रूट के तहत काफिला राजेंद्र पार्क से निकलकर पंजाब के सीएम हाउस के सामने से गुजरते हुए नयागांव रोड के रास्ते पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज तक जाएगा। सुरक्षा कारणों से दोनों मार्गों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर इनमें से किसी भी रूट का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक अन्य वैकल्पिक रूट एयरपोर्ट से तैयार किया गया है, जिसके तहत काफिला एयरोपोर्ट स्थित एयरफोर्स एंट्री से रवाना होकर एयरपोर्ट चौक, ट्रिब्यून चौक, मध्य मार्ग, ट्रांसपोर्ट चौक और पंजाब राज्यभवन वाले रास्ते से विज्ञान पथ के रास्ते होते हुए पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वांगचुक बोले-रिपोर्ट नॉर्मल है, इतनी जल्दी हार मानने वाला नहीं

संसद कूच की हुंकार : 19वें दिन भी डटे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली(एजेंसी)। लद्दाख की संवैधानिक सुरक्षा और अन्य अधिकारों की मांग को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का आज 19वां दिन है। बिगड़ती सेहत के बीच वांगचुक ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश की जनता से आगामी 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने की एक बेहद भावुक और बड़ी अपील की है।

लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्हें देशभर से हजारों आम नागरिकों, समाज के बड़े-बुजुर्गों और विभिन्न राजनीतिक नेताओं के संदेश मिल रहे हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। कुछ शुभचिंतकों ने तो कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है ताकि सरकार उन्हें जबरन खाना खिला सके। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे आज खाना खा लेते हैं तो इससे सरकार को यही संदेश जाएगा कि जनता के प्रति जवाबदेही की कोई ज़रूरत नहीं है; लोग बैठते हैं और खुद ही उठकर चले जाते हैं। अपनी शारीरिक स्थिति पर चिंतित समर्थकों को ढाढस बंधाते हुए उन्होंने बताया कि 18 दिनों के अनशन के बावजूद उनके मेडिकल टेस्ट के रिज़ल्ट्स काफी नॉर्मल हैं। शरीर में कमजोरी जरूर बढ़ रही है और मांसपेशियां (मसल्स) खत्म हो रही हैं, लेकिन उनका दिल अभी भी ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि वे अभी इतने कमजोर नहीं हुए हैं कि दो-चार दिन में हिम्मत हार जाएं, और वे इस अनशन को कई दिनों तक आगे खींच सकते हैं।

वांगचुक ने देश की जनता से आग्रह किया कि वे सिर्फ उनसे अनशन तोड़ने के लिए न कहें, बल्कि खुद भी लद्दाख के इस हक की लड़ाई में एक छोटा कदम उठाएं। आगामी 20 जुलाई से देश की संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसे देखते हुए जंतर-मंतर पर पहले से ही परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर चलो संसद अभियान के तहत एक शांतिपूर्ण मार्च निकालने की तैयारी चल रही है। वांगचुक ने इस प्रदर्शन के साथ एकजुटता जताते हुए जनता से अपील की कि 20 जुलाई को सभी लोग इतनी बड़ी संख्या में यहाँ आएं कि सरकार तक एक अटूट संदेश पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब हम हज़ारों की संख्या में मिलकर लद्दाख के इस पूरे मुद्दे को देश की संसद के हवाले कर देंगे, तब उन्हें भरोसा हो जाएगा कि यह लड़ाई अब सही हाथों में चली गई है।

लाल किला एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ समारोह की भव्य तैयारियों और सुरक्षा इंतजामों के मद्देनजर लाल किला परिसर को एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को देखते हुए यह आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि लाल किला 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक स्वतंत्रता दिवस समारोह समाप्त होने तक आम जनता और पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पहले हर साल इस तरह का आदेश जारी किया जाता है।

सीता के पति... पर विवादित टिप्पणी मामले में फंसे कुणाल कामरा

जंतर-मंतर पर की टिप्पणी पर भड़के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हास्य कलाकार कुणाल कामरा ने जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के मंच से भगवान राम को लेकर एक बेहद विवादास्पद टिप्पणी कर दी, जिसके बाद उन्हें देश भर के लोगों की तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में कामरा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, ये जो सरकार है और ये जो कर रही है, बहुत सालों से कर रही है। हमने देखा है कि ये लोग बस सीता के पति का नाम ले लेके नीता के पति का काम कर रहे हैं। कामरा का यह बयान स्पष्ट रूप से नीता अंबानी के पति मुकेश अंबानी की ओर इशारा कर रहा था। विपक्षी नेता और मोदी सरकार के आलोचक अक्सर सरकार पर अंबानी जैसे उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते रहे हैं। कामरा ने भी इसी तरह की आलोचना की, लेकिन भगवान राम का नाम लेने की बजाय जिस तरीके से उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से मजाक किया और इस पर लोग हंसते हुए ताली बजाने लगे, उसको लेकर विशेष आपत्ति जाहिर की जा रही है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बीजेपी वाले सीता के पति का नाम लेके काम करते हैं। यह आज सीजेपी के मंच से कुणाल कामरा ने बोला। सीजेपी के मंच से लगातार भगवान श्री राम का अपमान हो रहा है। कुछ दिन पहले जय श्री राम के नारे को लेकर भी आपत्तिजनक बातें हुई थीं। एक अन्य यूजर ने दिल्ली पुलिस से कामरा और दीपके के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए लिखा, आज अभिजीत दीपके ने कुणाल कामरा को सीजेपी प्रदर्शन पर बुलाया। जैसे ही उन्हें स्टेज मिला, कामरा ने अपना भाषण शुरू किया और हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाते हुए बोला - सीता का पति। इस अश्लील मजाक पर अभिजीत दीपके ताली बजाते और हंसते नजर आए। करोड़ों हिंदू मां सीता की पूजा करते हैं। क्या ये लोग इस्लाम या ईसाई धर्म के पवित्र व्यक्तियों का भी ऐसे ही मजाक उड़ाने की हिम्मत करेंगे? यह घटना एक बार फिर धार्मिक भावनाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच की नाजुक रेखा पर बहस को तेज कर दिया है। इस बयान को लेकर कई लोग उन पर निशाना साध रहे हैं और दिल्ली पुलिस से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कामरा की इस टिप्पणी को हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया जा रहा है। उनके साथ मंच पर मौजूद अभिजीत दीपके भी इस टिप्पणी पर तालियां बजाते और हंसते हुए दिखे, जिसके लिए उन्हें भी सार्वजनिक रूप से खूब कोसा जा रहा है।

कम बारिश से कर्नाटक में सूखे की स्थिति, डिप्टी सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

-राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनडीआरएफ के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून में कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बता दें जून महीने में कर्नाटक में 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 फीसदी कम बारिश हुई।

उपमुख्यमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आकलन के मुताबिक कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 फीसदी बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से अल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 फीसदी), मैसूर (55 फीसदी), मडिकेरी (51 फीसदी), चिक्कमगलुरु (48 फीसदी), दावणगेरे (47 फीसदी), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 फीसदी), कलबुर्गी (43 फीसदी), मंगलुरु (43 फीसदी) और बीदर (40 फीसदी) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए।

उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती। उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 फीसदी से ज्यादा फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 फीसदी फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में ज्यादा लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी सीएम परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अपील की कि मौजूदा हालात को राष्ट्रीय महत्व की आपदा घोषित करने या उसी स्तर की सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाए।

नौवीं में तीसरी भाषा बच्चों पर बढ़ाती है दबाव: सुप्रीम कोर्ट की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी कर कहा है कि नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा को अनिवार्य नहीं करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने बच्चों पर बढ़ते शैक्षिक दबाव और तनाव को देखकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। यह टिप्पणी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तीन भाषा नीति के खिलाफ चल रहे विवाद के बीच आई है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अलग मामले की सुनवाई के दौरान कही।

सुप्रीम कोर्ट जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई थी, इसमें तमिलनाडु सरकार को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवीएस) स्थापित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, जब नवोदय विद्यालय की ओर से पेश वकील ने तीसरी भाषा के नौवीं कक्षा से अनिवार्य होने का जिक्र किया, तब जस्टिस नागरत्ना ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, यह बहुत गलत बात है। सीबीएसई में नौवीं कक्षा अपने आप में ही तनावपूर्ण होती है। आप नौवीं क्लास में तीसरी भाषा क्यों लाते हैं? आप इस छठी क्लास में ही शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पांचवीं या छठी कक्षा में तीसरी भाषा शुरू कर देनी चाहिए और नौवीं कक्षा तक इसकी पढ़ाई खत्म होना चाहिए। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद कर बताया कि कैसे उनके समय में भी पढ़ाई का दबाव था, खासकर जब आईसीएसई और एसएसएलसी जैसे अलग-अलग पाठ्यक्रम साथ चलते थे। उन्होंने कहा, जब हमारे समय में ऐसी तैयारी थी, तब आज क्या स्थिति होगीज बच्चों पर कितना दबाव होता है, यह देखिए। उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि नौवीं क्लास में कोई नई भाषा न रखी जाए, क्योंकि आठवीं क्लास के आखिर से ही छात्रों पर पढ़ाई का दबाव शुरू होता है।

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर भी बात की और स्पष्ट किया कि एनईपी में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा नहीं कहा गया है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, राज्य की भाषा सिखानी होगी। अंग्रेजी सिखानी होगी। और कोई तीसरी भाषा भी। जरूरी नहीं कि वह हिंदी ही हो। वह संस्कृत हो सकती है। कोई भी तीसरी भाषा। संस्कृत क्यों नहीं? आपको हिंदी नहीं चाहिए, तब क्या संस्कृत भी नहीं चाहिए?

कांवड़ यात्रा महोत्सव की तैयारियों में जुटा गाजियाबाद नगर निगम, नगर आयुक्त ने दूधेश्वर नाथ मंदिर में लिया व्यवस्थाओं का जायजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा महोत्सव को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों की टीम के साथ प्राचीन दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर पहुंचकर महंत श्री नारायण गिरी जी महाराज से मुलाकात की और कांवड़ यात्रा के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया गया और कांवड़ महोत्सव को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी गाजियाबाद नगर निगम कांवड़ यात्रा महोत्सव के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर निगम के सभी विभागों ने अलग-अलग टीमें गठित कर दी हैं। 20 जुलाई से लेकर यात्रा संपन्न होने तक निगम के अधिकारी और कर्मचारी 24 घंटे रोस्टर के आधार पर ड्यूटी करेंगे तथा सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर में आयोजित बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने महंत नारायण गिरी से विशेष आवश्यकताओं और व्यवस्थाओं के संबंध में सुझाव भी प्राप्त किए। अधिकारियों ने मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों का

निरीक्षण कर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सड़क मरम्मत और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महंत जी ने भी अधिकारियों का स्वागत करते हुए कांवड़ महोत्सव की तैयारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। नगर निगम द्वारा इस वर्ष कांवड़ रूट पर स्वच्छता व्यवस्था को विशेष प्राथमिकता दी गई है। नगर स्वास्थ्य विभाग की ओर से 1030 सफाई मित्रों की टीम तैनात की जाएगी, जो यात्रा मार्गों पर लगातार सफाई कार्य करेगी। इसके अतिरिक्त शौचालयों की सफाई और रखरखाव के लिए 200 कर्मचारियों की अलग टीम नियुक्त की जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए पुरुष एवं महिला मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था भी की जा रही है। वहीं कांवड़ शिविरों और कैंपों के बाहर पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाए जाएंगे ताकि स्वच्छता बनी रहे और कचरे का उचित निस्तारण किया जा सके।प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी नगर निगम ने बड़े स्तर पर तैयारी की है। नगर आयुक्त के अनुसार कांवड़ मार्ग को पूरी तरह रोशन करने के लिए लगभग 2648 से 2700 लाइटें लगाई जाएंगी। यह व्यवस्था दुहाई से दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर तक, मेरठ रोड से ज्ञानी बॉर्डर तक तथा मोहन नगर से एनएच-9 तक के प्रमुख कांवड़ मार्गों पर की जाएगी। निगम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रात्रि के समय भी कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पूरे मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध रहे। निर्माण विभाग को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग द्वारा सड़क मरम्मत और गड्ढामुक्त सड़क सुनिश्चित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। नगर निगम के अनुसार 20 जुलाई से आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष बैरिकेडिंग की जाएगी।

पुरा महादेव शिवरात्रि मेले की सुरक्षा तैयारियों का मंडलायुक्त और डीआईजी ने किया निरीक्षण

बागपत (शिखर समाचार)। श्रावण मास कांवड़ मेला-2026 के दौरान आयोजित होने वाले ऐतिहासिक पुरा महादेव शिवरात्रि मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को मंडलायुक्त मेरठ भानुचंद्र गोस्वामी और पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने पुरा महादेव मंदिर एवं मेला क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी अस्मिता लाल, पुलिस अधीक्षक सूरज राय तथा पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंदिर परिसर, मेला क्षेत्र, श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास मार्ग, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग, सुरक्षा तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, नियंत्रण केंद्र तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंदिर के पुजारियों और मेला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों से संवाद कर दर्शन व्यवस्था, मंदिर की परंपराओं तथा श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई। मंडलायुक्त और पुलिस उपमहानिरीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महाशिवरात्रि पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, निर्बाध दर्शन व्यवस्था, सुचारु यातायात संचालन, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी तथा किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। अधिकारियों ने मंदिर समिति से सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर सुझाव भी लिए तथा निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण, संवेदनशील और सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए, ताकि ऐतिहासिक पुरा महादेव शिवरात्रि मेला पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

गाजियाबादः जीडीए का बड़ा एक्शन, लोनी में 20,000 वर्ग मीटर में बसाई जा रही अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों के खिलाफ छेड़े गए अपने अभियान के तहत गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण की टीम ने लोनी क्षेत्र में 20,000 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्रफल में अवैध रूप से विकसित की जा रही एक कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।

क्या है मामला?

प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी के नेतृत्व में प्रवर्तन जोन-8 की टीम ने गुरुवार को मीरपुर हिंदू, नवादा (सैनिक विहार कॉलोनी) में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, इस अवैध कॉलोनी को सलमान और मोहसिन द्वारा विकसित किया जा रहा था। उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के नियमों का उल्लंघन करते हुए काटी जा रही इस अवैध कॉलोनी के खिलाफ जीडीए ने सख्ती दिखाई है।

बाउंड्री वॉल और सड़कों को किया ध्वस्त

कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण की टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से वहां पहले से बनी 60 से 70 भूखंडों की बाउंड्री वॉल और कॉलोनी में बनाई गई कच्ची सड़कों को मलबे में तब्दील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिना नक्शा पास कराए और बिना अनुमति के किए जा रहे ऐसे किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

विरोध के बावजूद जारी रही कार्रवाई

ध्वस्तीकरण के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय निर्माणकताओं और लोगों ने भारी विरोध किया, जिससे कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, मौके पर मौजूद प्राधिकरण के पुलिस दस्ते और क्षेत्रीय पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया और भारी विरोध के बावजूद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को पूरा किया। इस अवसर पर प्रवर्तन जोन-8 का समस्त स्टाफ और सुरक्षा बल मौजूद रहा। जीडीए की इस कार्रवाई से अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया है।

मुख्यमंत्री के कैराना दौरे को सफल बनाने में जुटी भाजपा, बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों की तैयारियों पर भी मंथन

शामली (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार को प्रस्तावित कैराना दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को जिला कार्यालय पर कार्यकताओं की बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री के दौरे को सफल बनाने के साथ-साथ 22 जुलाई को जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित होने वाले बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री के कैराना आगमन को लेकर कार्यकताओं और आमजन में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता पूरे समर्पण के साथ कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में जुटें। उन्होंने कहा कि मिशन-2027 को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करना समय की आवश्यकता है और प्रत्येक कार्यकर्ता को अभी से सक्रिय होकर गठबंधन प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्य करना चाहिए।

विधान परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर संगठन की एकजुटता का परिचय देने का आह्वान किया।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष दामोदर सैनी ने किया। बैठक में मानस संगल, अनिल चौहान, भूपेंद्र शर्मा, राजेश मलिक, राजेंद्र मादलपुर, पुनीत द्विवेदी, अभय तोमर, आनंद पुंडीर, श्रीपाल चौहान, भूपेंद्र चौधरी, बबीता चौहान, पंकज गुप्ता, विशेष सरोहा, रोहित विश्वकर्मा, सतपाल चौहान, शक्ति संगल, वरुण चौधरी, अमित मित्तल, कमल बंसल, बृजेश वाल्मीकि, दीपक चौहान, रवि गहलोत, रीनू सरोहा, पवन गौतम और मनीष भटनागर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजनौर में आज मुख्यमंत्री योगी की जनसभा, एक हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को बिजनौर दौरे पर रहेंगे, जहां वह एक विशाल जनसभा को संबोधित करने के साथ जनपद को लगभग एक हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे तथा पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों की चाबियां भी वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री की जनसभा शहर स्थित वर्धमान कॉलेज मैदान में आयोजित होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सबसे पहले पुलिस लाइन में उतरेगा, जहां से वह सड़क मार्ग से जनसभा स्थल पहुंचेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री करीब एक घंटे तक जनसभा स्थल पर रहेंगे। इस दौरान चांदपुर और बिजनौर विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित अनेक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवासों की चाबियां भी प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जनसभा स्थल और उसके आसपास साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा भीड़ नियंत्रण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विभिन्न स्थानों पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जबकि यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन का दावा है कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाएगा।

श्रावण कांवड़ यात्रा को लेकर शामली-पानीपत प्रशासन की संयुक्त बैठक, सुरक्षा और समन्वय पर बनी रणनीति

शामली (शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से हरियाणा के पानीपत स्थित उपायुक्त कार्यालय में शामली और पानीपत के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल के साथ सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, कांवड़ शिविरों की सुविधाओं तथा कानून व्यवस्था को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई।

बैठक की अध्यक्षता पानीपत के उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने की। इसमें शामली के जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह, पानीपत के पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह सहित दोनों जनपदों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, निर्बाध यातायात, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं और आपात स्थिति में त्वरित सूचना आदान-प्रदान की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि प्रत्येक कांवड़िये को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा कानून व्यवस्था बिगाड़ने या हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी आलोक कुमार ने दोनों राज्यों के प्रशासन के बीच लगातार समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया, जबकि पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त पुलिस निगरानी और प्रभावी यातायात प्रबंधन को और मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप डीजे संचालन, हथियारनुमा वस्तुओं के प्रयोग पर रोक, प्रमुख मार्गों पर निर्बाध यातायात तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों का हंगामा, ठेका संचालक पर मनमाना किराया बढ़ाने का आरोप

शामली (शिखर समाचार)। नगर पंचायत बनत क्षेत्र में गुरुवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों ने ठेका संचालक पर मनमाने ढंग से दुकान किराया बढ़ाने का आरोप लगाते हुए नगर पंचायत कार्यालय पर जमकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित दुकानदारों ने चेयरमैन प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह का घेराव कर बढ़ा हुआ किराया तत्काल वापस लेने तथा उत्पीड़न पर रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय तक नगर पंचायत कार्यालय पर गहमागहमी का माहौल बना रहा। दुकानदारों का आरोप था कि नगर पंचायत की ओर से साप्ताहिक बाजार का ठेका विपिन कुमार को दिया गया है, जिसके बाद से दुकानदारों पर लगातार अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उनका कहना था कि पहले विभिन्न श्रेणियों की दुकानों का किराया 25, 40, 50, 60 और 100 रुपये लिया जाता था, लेकिन अब इसे लगभग दोगुना करने का प्रयास किया जा रहा है। दुकानदारों का कहना था कि बाजार में व्यापार पहले जैसा ही है और बिक्री में कोई वृद्धि नहीं हुई है, ऐसे में किराया बढ़ाना पूरी तरह अनुचित है। दुकानदारों की शिकायत पर चेयरमैन प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह ने ठेका संचालक को मौके पर बुलाकर फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी दुकानदार का उत्पीड़न न किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों के विपरीत किराया नहीं बढ़ाया जा सकता। यदि शिकायतें दोबारा मिलीं और दुकानदारों का उत्पीड़न किया गया तो ठेका निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान सभासद इकराम अली, अनिल कुमार, इंतजार, शौकीन, नूर हसन, बुंदू, साजिद, समीर, सालिम, आशु, चंकी, सलीम, अमित, महिपाल, मुस्तकीम, फिरोज सहित बड़ी संख्या में दुकानदार मौजूद रहे।

भक्ति और उल्लास के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा, जयघोष से गूंजा हापुड़

हापुड़ (शिखर समाचार)। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा गुरुवार को हापुड़ में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ निकाली गई। राधे-राधे, बोल हरि बोल और हरे राधा-हरे राधा जैसे भक्तिमय भजनों के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने नंगे पैर भगवान जगन्नाथ का रथ खींचकर नगर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर जयघोष गूंजता रहा और भगवान जगन्नाथ का सुसज्जित रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रशासन ने ड्रोन के माध्यम से पूरे रूट पर निगरानी रखी।

गुरुवार सुबह करीब नौ बजे पुराना बाजार स्थित शिव मंदिर से रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। सुसज्जित रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा के साथ राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकियां विराजमान थीं। बूंदाबांदी के बीच महिला, पुरुष और बच्चे हाथों

से रथ खींचते हुए भजन-कीर्तन करते आगे बढ़ते रहे। रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं में इतना उत्साह था कि उन्हें अपनी बारी का लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा।

रथ यात्रा पुराना बाजार, सरार्फा बाजार, मेरठ गेट पुलिस चौकी, चंडी रोड और चंडी मंदिर होते हुए पक्का बाग स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग पर जगह-जगह भजन, संकीर्तन और धार्मिक संगीत की व्यवस्था की गई थी, जिससे नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। दोपहर में यात्रा लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंची, जहां भगवान के विश्राम की व्यवस्था की गई।

श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे व्यापारी

रथ यात्रा मार्ग पर व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह प्याऊ लगाए। भीषण गर्मी के बीच शर्बत, ठंडा पेय और शीतल जल वितरित कर सेवा की गई, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली।

फल, बिस्कुट और मिश्री का हुआ वितरण

यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को कई व्यापारियों ने केले, आम, बिस्कुट के पैकेट और मिश्री वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया।

पुष्पवर्षा और जलवर्षा से हुआ स्वागत

रथ यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और व्यापारियों ने भगवान के रथ एवं श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। गर्मी से राहत देने के लिए जलवर्षा भी की गई, जिससे पूरा मार्ग फूलों की खुशबू और भक्ति के रंग में रंग गया।

26 वर्षों से निकल रही है रथ यात्रा

आयोजकों और श्रद्धालुओं के अनुसार हापुड़ में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पिछले 26 वर्षों से लगातार निकाली जा रही है। हर वर्ष इसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं और देश-विदेश से आने वाले भक्त भी इस आस्था के उत्सव का हिस्सा बनते हैं।

सीएम डैशबोर्ड पर खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों को जिलाधिकारी की चेतावनी, रैंकिंग सुधारने के दिए निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के दौरान जिन विभागों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया, उन पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने परियोजना-वार समीक्षा करते हुए कहा कि जिन विभागों की रैंक सी और डी श्रेणी में है, वे सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर आंकड़ों की प्रविष्टि पूरी सावधानी और समयबद्ध ढंग से करें, ताकि जनपद की समग्र रैंकिंग प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी समीक्षा बैठक से पहले सभी संबंधित विभाग अपनी कमियों को दूर करते हुए रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की नियमित निगरानी और समय पर डाटा अपलोड करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं का शत-प्रतिशत डाटा समय पर पोर्टल पर दर्ज कराया जाए। उन्होंने कहा

कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा जारी रहेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, सभी उपजिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

घंटाघर फीडर बनाकर हिंदी बाजार का बांटा लोड, चार हजार घरों का राहत

गोरखपुर , एजेंसी। अब सराफा बाजार में बिजली फाल्ट की समस्या दूर हो जाएगी। बिजली निगम ने दो फेज में व्यवस्था सुधार का निर्णय लिया है। पहले फेज में लालडिग्गी बिजली उपकेंद्र से एक नया घंराघर फीडर बनाकर हिंदी बाजार फीडर का लोड कम कर दिया गया है। दोनों फीडरों के बीच आरएमयू (रिंग मेन यूनिट) स्थापित की गई है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर एक फीडर से दूसरे फीडर को निर्बाध बिजली आपूर्ति दी जा सकेगी। दूसरे चरण में ढीले तार कसे जाएंगे और जर्जर तारों को बदला जाएगा। बिजली निगम के अनुसार, पहले हिंदी बाजार फीडर से 19 ट्रांसफॉर्मरों पर लगभग 200 एंपियर का लोड संचालित होता था। अलग होने के बाद घंटाघर, रायगंज और बनकटी चक सहित 11 ट्रांसफॉर्मर नए घंटाघर फीडर से संचालित होंगे, जबकि गोपी गली, गहना बाजार, मदरसा चौराहा, सराय और जेके कॉम्प्लेक्स सहित 10 ट्रांसफॉर्मर हिंदी बाजार फीडर से जुड़े रहेंगे। इससे दोनों फीडरों पर लोड संतुलित होगा। उपखंड अधिकारी राजेश चौहान ने बताया कि इस व्यवस्था से हिंदी बाजार और घंटाघर क्षेत्र के करीब चार हजार उपभोक्ताओं को बार-बार फीडर ट्रिप होने की समस्या से काफी राहत मिलेगी और बिजली आपूर्ति अधिक विश्वसनीय होगी। अधीक्षण अभियंता (शहरी) रणजीत चौधरी, अधिशासी अभियंता अंकित कुमार और अवर अभियंता संदीप कुमार की देखरेख में कार्य पूरा कर दोनों फीडरों को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया।

स्कूल, चाय की दुकान और गुमटी का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

गोरखपुर , एजेंसी। जिले में सोमवार रात अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरों ने प्राथमिक विद्यालय, चाय की दुकान और पान की गुमटी को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। तीनों घटनाओं में पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी भी मामले में आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। सहजनवां थाना क्षेत्र के नगर पंचायत घघसरा स्थित तुलसीदास नगर कोड़री हड़ही प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने ताला तोड़कर शौचालय में लगा टुल्लू पंप, मिड-डे मील के लिए रखा 50 किलो गेहूं और 50 किलो चावल चोरी कर लिया। प्रधानाध्यापक शीत कुमार मंगलवार सुबह विद्यालय पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। कार्यालय में रखा इन्वर्टर भी गायब मिला, जिसे बाद में विद्यालय की बाउंड्री के बाहर अशोक के पेड़ के नीचे बोरी में बरामद कर लिया गया। प्रधानाध्यापक ने चोरी की तहरीर दी है। चौकी प्रभारी रविंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उधर, गोला थाना क्षेत्र के बेवरी चौराहे पर स्थित एक चाय की दुकान में छत के रास्ते घुसे चोर लगभग 50 हजार रुपये नकद, सीसीटीवी कैमरा और उसका डीवीआर चोरी कर ले गए। दुकान मालिक प्रभुनाथ ने बताया कि सोमवार सुबह दुकान खोलने पर घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष चंद्रप्रकाश पांडेय ने बताया कि मामले की जांच जारी है। वहीं, पिपराइच थाना क्षेत्र के कोनी तिराहे पर चोरों ने पान की गुमटी का ताला तोड़कर करीब एक लाख रुपये का सामान चुरा लिया। पीड़ित राधेश्याम जायसवाल के अनुसार गुमटी से सामान गायब मिला। सूचना पर डायल-112 और पिपराइच पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

नशे में ड्यूटी करने वाले डॉक्टर को जांच के बाद हटाया

मेरठ, एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में ड्यूटी के दौरान विवाद के बाद चिकित्सक दीपक कुमार को सीएमओ ने हटा दिया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष आदेश कसाना की तबीयत इंजेक्शन लगाने के बाद बिगड़ने और चिकित्सक पर नशे की हालत में ड्यूटी करने के आरोप लगने के बाद यह कार्रवाई हुई। मामले की जांच डिप्टी सीएमओ को सौंपी गई थी। 25 जून की शाम आदेश कसाना को पेट दर्द की शिकायत पर सीएचसी सरूरपुर ले जाया गया। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक दीपक कुमार ने उन्हें दो इंजेक्शन लगाए, जिसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई। परिजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिकायत की कि चिकित्सक नशे की हालत में अभद्र व्यवहार कर रहा था। घटना की जानकारी सीएमओ को दी गई थी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने चिकित्सक का मेडिकल परीक्षण कराकर कार्रवाई की मांग की और तहरीर भी दी। चिकित्सक ने पारिवारिक परेशानी के चलते नशा करने की बात स्वीकार की थी। कार्यकर्ताओं ने चिकित्सक को सीएचसी से हटाने की मांग करते हुए सीएमओ को ज्ञापन सौंपा। इस मामले की जांच डिप्टी सीएमओ कांति प्रसाद को सौंपी गई। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सीएमओ रामप्रसाद ने दीपक कुमार को सीएचसी सरूरपुर से हटाने के आदेश जारी किए। सीएचसी प्रभारी राघो सिंह को चिकित्सक को हटाए जाने की मौखिक सूचना मिली है, हालांकि लिखित आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

48 महीने और छह अर्थियां, एक-एक कर पिता-पांच बेटों की मौत

अब भरण-पोषण को भी मोहताज

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सिकटिया गांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां पर लोग भगवान से भी सवाल पूछते नजर आ रहे हैं कि भगवान आखिर किसी परिवार से इतना रुष्ठ कैसे हो सकते हैं। यहां मात्र चार वर्ष के भीतर लगातार छह मौतें हुई हैं। इस घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है।

29 सितंबर 2022 की वो तारीख इस घर के लिए कयामत बनकर आई। उस दिन प्रेम कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय किशन कुमार गुप्ता की मौत हुई और यहीं से सिलसिला शुरू हुआ, जो चार साल में पूरे परिवार को उजाड़ गया। इसके बाद 17 नवंबर 2023 को सुधीर गुप्ता कानपुर में किराये के मकान में आग लगने से संदिग्ध हालात में चल बसे।

एक-एक कर पांच बेटों और पिता की मौत

10 अक्टूबर 2023 को किशन कुमार गुप्ता ने दुनिया को अलविदा कहा। 24 अक्टूबर 2024 को सोहन गुप्ता ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। फिर एक जुलाई 2026 को छोटू और 10 जुलाई को मोहन गुप्ता भी नहीं रहे। बीमारी और संदिग्ध हालातों ने एक-एक कर पांच बेटों और पिता को निगल लिया।

न सिर्फ रिश्ते छीने, घर की कमर भी तोड़ दी

हरे-भरे आंगन में कभी बच्चों की किलकारी गूंजती थी, आज वहां सिर्फ सिसकियों की आवाज है। मां रामजानकी की गोद सूनी हो गई है, अब घर में सिर्फ बड़ा बेटा शंकर,

छोटी बेटी खुशी और बूढ़ी मां बची हैं। रो-रोकर तीनों का बुरा हाल है। लगातार मौतों ने न सिर्फ रिश्ते छीने, बल्कि घर की कमर भी तोड़ दी है।

अर्थी उठाने के लिए भी मोहताज होना पड़ा

आर्थिक हालात इतने बिगड़ गए कि 10 जुलाई को मोहन गुप्ता के अंतिम संस्कार का सामान तक घर में नहीं था। पड़ोसियों ने चंदा इकट्ठा कर अर्थी सजाई और दाह संस्कार की जिम्मेदारी उठाई। जिस घर में कभी शादियों के ढोल बजते थे, वहां अब अर्थी उठाने के लिए भी मोहताज होना पड़ा। गांव वाले कहते हैं कि भगवान आखिर इतना कैसे रूठ सकता है।

सवाल- टूटे परिवार को अब कौन सहारा देगा

चार साल में एक पिता और पांच बेटे चले गए। घर पर अब खाने के लाले हैं। कमाने वाला कोई नहीं बचा। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने राजस्व विभाग से मदद की गुहार लगाई है। एक साथ छह मौतों ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। हर आंख नम है और हर जुबान पर यही सवाल है कि इस टूटे परिवार को अब कौन सहारा देगा। डीडीओ आत्म प्रकाश रस्तोगी ने बताया कि इस तरह के मामलों में राजस्व विभाग की तरफ से पारिवारिक लाभ दिया जा सकता है। इसके साथ ही मृतकों की मां को विधवा पेंशन दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त यदि कुछ सहयोग हो सकता है, तो जांच कर कराई जाएगी।

मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवा में गोरखपुर प्रदेश में अव्वल

गोरखपुर , एजेंसी। गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में गोरखपुर ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की जून की रैंकिंग में मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) सेवा के संचालन में गोरखपुर को प्रदेश में पहला स्थान मिला है। जिले में संचालित पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, दवाएं और लैब जांच की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले की पांचों मोबाइल मेडिकल यूनिट उन गांवों में नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं, जहां जिला अस्पताल, सीएचसी या पीएचसी की पहुंच सीमित है। प्रत्येक यूनिट में एक चिकित्सक, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन और फार्मासिस्ट तैनात हैं।

जून में पांचों यूनिटों के माध्यम से जिले के विभिन्न गांवों में 50 ओपीडी आयोजित की गई। इनमें 7,053 मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गई। वहीं 1,965 मरीजों की मौके पर ही पैथोलॉजी जांच की गई। जांच के दौरान गंभीर बीमारी के लक्षण मिलने पर मरीजों को जिला अस्पताल और उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर किया गया।

सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवा के प्रभावी संचालन के कारण गोरखपुर को जून माह में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य कर्मियों की मेहनत और शासन की प्राथमिकता का परिणाम है। इससे ग्रामीणों को घर के निकट बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

सीएम डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, गोरखपुर मंडल के अन्य जिले महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर ने भी जून माह में बेहतर प्रदर्शन करते हुए ए ग्रेड हासिल किया है। इन जिलों में भी मोबाइल मेडिकल यूनिट की शत-प्रतिशत क्रियाशीलता दर्ज की गई।

गंभीर अपराधों में दोषसिद्धि बढ़ाने पर जोर, अभियोजन कार्यों की जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने की समीक्षा

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के न्यायालयों में लंबित आपराधिक मामलों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए गंभीर अपराधों में प्रभावी पैरवी और दोषसिद्धि दर बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

समीक्षा के दौरान पॉक्सो अधिनियम, हत्या, लूट, दहेज हत्या तथा महिला संबंधी अपराधों से जुड़े मामलों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक प्रकरण में साक्ष्यों और गवाहों को समय पर न्यायालय में प्रस्तुत कराया जाए तथा अभियोजन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मुकदमों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि अभियोजन विभाग की मजबूत और प्रभावी पैरवी से ही अपराधियों को कानून के अनुसार सजा दिलाई जा सकती है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को त्वरित और निष्पक्ष न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। वहीं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अपराधियों को शीघ्र सजा मिल सके और कानून व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हो।

प्रसव के बाद पेट में ही छोड़ दी रूई ऑपरेशन का खर्च न देने पर हंगामा

अलीगढ़ , एजेंसी। कृष्णा नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान एक महिला के पेट में रूई छूट गई। तबीयत बिगड़ने पर जब सीटी स्कैन कराया तो इसका पता चला। वादे के मुताबिक ऑपरेशन के रुपये नहीं मिलने पर परिजनों ने हंगामा किया।

दरअसल, नर्सिंग होम के डॉक्टरों ने दूसरी जगह ऑपरेशन कराकर कॉटन निकलवाने और सारा खर्चा देने का वादा किया था। चंडौली बुजुर्ग निवासी अरविंद चौहान ने बताया कि आठ महीने पहले गांव के ही निरंजन ने उनकी बेटी जागृति की कृष्णा नर्सिंग होम में सामान्य प्रसव कराने की बात कही थी।

अस्पताल में 40 हजार रुपये जमा कराने के बाद महिला का ऑपरेशन किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने पेट के अंदर ही कॉटन छोड़ दी। प्रसव के बाद से ही जागृति को लगातार पेट में गंभीर दर्द रहने लगा। अस्पताल के लोग हर बार दवा देकर टालते रहे। जब हालत ज्यादा बिगड़ी तो परिजनों ने सीटी स्कैन कराया। इसमें पेट के अंदर रूई

होने की पुष्टि हुई। पीड़िता की बहन प्रियंका ने बताया कि इस गंभीर लापरवाही के कारण जागृति का वजन घटकर महज 20 किलो रह गया है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने नर्सिंग होम प्रबंधन को यह बात बताई, तो बदनामी के डर से डॉक्टर ने कहा, मामला उछालो मत। दूसरे अस्पताल में ऑपरेशन करा लो, सारा खर्च मैं दूंगा।

डॉक्टर के भरोसे पर परिजनों ने महिला का दोबारा ऑपरेशन कराया, जिसमें करीब 3.20 लाख रुपये का खर्च आया। जब पीड़िता के परिजन बिल का भुगतान मांगने कृष्णा नर्सिंग होम पहुंचे, तो संचालक ने पैसे देने से साफ मना कर दिया और उन्हें पहचानने तक से इन्कार कर दिया।

मंगलवार को नर्सिंग होम संचालक की वादाखिलाफी से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और स्टाफ के साथ तीखी नोकझोंक हुई। हंगामे को बढ़ता देख आरोपी डॉक्टर अस्पताल छोड़कर भाग गए। सूचना पर थाना सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची लोगों को शांत कराया। पीड़िता के पिता अरविंद चौहान की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सब-इंस्पेक्टर अनिल कुमार को सौंपी है।

नाले पर और किनारे बनीं 12 दुकानों को नोटिस

आगरा, एजेंसी। सुभाष बाजार में नाले के ऊपर बनी दुकान के ढह जाने से महिला गंगादेवी की मृत्यु के बाद नगर निगम ने 12 दुकानों को नोटिस जारी किया है। इनमें से अधिकांश नाले के ऊपर बनी हैं और कुछ नाले के किनारे बनी हैं। इनके जर्जर होने और कभी भी ढह जाने की आशंका पर नगर निगम ने तीन दिन के अंदर दुकानें खाली कर हटाने के निर्देश दिए हैं।

इस पर व्यापारियों ने नगर आयुक्त से मिलकर नोटिस पर ही सवाल उठाए और कहा कि नाले पर वह नगर निगम से आवंटन के बाद दुकानों पर बैठे हैं। अगले साल 2027 तक का संपत्ति कर भी जमा है।

जामा मस्जिद के पीछे सुभाष बाजार में नाले पर और किनारे बनीं 12 दुकानों को तीन दिन में हटाने का नोटिस नगर निगम ने जैसे ही व्यापारियों को दिया, मामला गरमा गया। व्यापारियों ने नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य से मुलाकात कर कहा कि नाले पर बनी दुकानों से नगर निगम किराया वसूल रहा है, फिर यह अवैध कैसे हुईं। आगरा व्यापार मंडल के जय पुरसनानी ने कहा कि 9 दुकानें सुभाष बाजार में नाले पर 1977 में बनाई गई थीं। निगम ने आवंटन किया। 9 जून को जर्जर होने पर मरम्मत के लिए दुकानदारों ने ज्ञापन दिया। जब निगम ने कार्रवाई नहीं की तो दुकान गिर गई। इसके लिए निगम दोषी है, न कि दुकानदार। दुकानों को अवैध बताना बंद कीजिए।

नोटिस में नगर निगम ने यह लिखा

मंटोला नाले के ऊपर सीसी स्लैब डालकर नगर निगम ने इसे पाटा और दुकानें बना दीं। हादसा हुआ तो अब नोटिस जारी किए गए हैं। अधिशासी अभियंता की ओर से दिए गए नोटिस में लिखा है कि नाले के सहारे होने के कारण अवैध कब्जे की श्रेणी में आता है। इस अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई करें, अन्यथा की स्थिति में नगर निगम इसे ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगा। नाला 60-70 साल पुराना बना हुआ है, जिसकी आयु पूर्ण हो चुकी है। नाले के सहारे अवैध कब्जा कर आपके द्वारा दुकान बनाई गई है, जो क्षतिग्रस्त हो सकती है। और उसे तुरंत हटाने की चेतावनी दी गई है। तीन दिन के अंदर दस्तावेज मांगे गए हैं।

दरोगा के घर चोरी करने के चार आरोपी गिरफ्तार, चोरी के जेवर बरामद

लखनऊ, एजेंसी। तेलीबाग। पीजीआई क्षेत्र के हैवतमऊ मवैया में मलिहाबाद थाने में तैनात दरोगा संजय यादव के घर हुई 35 लाख रुपये के जेवरों की चोरी का पुलिस ने चार दिन में खुलासा कर दिया। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किए गए करीब 80 प्रतिशत जेवर बरामद किए हैं।

इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि दरोगा की पत्नी कविता यादव ने चोरी की एफआईआर दर्ज कराई थी। परिवार 8 जुलाई को विंध्याचल दर्शन के लिए गया था। 10 जुलाई को लौटने पर घर के कमरों के ताले टूटे मिले और अलमारी में रखे करीब 35 लाख रुपये के जेवर गायब थे। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर संदिग्धों की पहचान हुई। इसके आधार पर पुलिस ने मंगलवार को कालिंदी पार्क के पास से पिपरौली निवासी अर्जुन रावत, मोहनलालगंज मऊ निवासी सुदैफ अली, पीजीआई हैवतमऊ मवैया निवासी विजय कुमार और दीपक यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात में दो अन्य साथियों के शामिल होने की बात भी कबूल की है, जिनकी तलाश जारी है। इंस्पेक्टर के अनुसार, अर्जुन के खिलाफ पहले से चार, सुदैफ के खिलाफ तीन, विनय के खिलाफ दो और दीपक के खिलाफ तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

क्वान की-डो कार्यशाला में 18 जिलों के 44 रेफरियों ने सीखीं खेल की बारीकियां

वाराणसी , एजेंसी। उत्तर प्रदेश क्वान की-डो एसोसिएशन की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रादेशिक क्वान की डो रेफरी सेमिनार और ग्रेडिंग कार्यशाला बाबतपुर के गणेशपुर में मंगलवार को संपन्न हुई। इसमें प्रदेश के 18 जिलों के 44 चयनित रेफरियों ने तीन दिनों में 27 घंटे खेल के नए नियम और रेगुलेशन की जानकारी ली। इसमें क्वान की-डो खेल के नवीनतम तकनीकी मानकों, प्रतियोगिता संचालन, नियम और विनियम का प्रशिक्षण देश के वरिष्ठ क्वान की-डो प्रशिक्षकों ने दिया।

सेमिनार में मेजबान वाराणसी के अतिरिक्त गाजीपुर, इटावा, गोरखपुर, मैनपुरी, इटावा, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, बहराइच, गोंडा, मथुरा, कानपुर, चंदौली, गौतम बुद्धनगर, सहारनपुर, सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों के रेफरियों ने सहभागिता की। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी प्रतिभागियों की प्रायोगिक, सैद्धांतिक मौखिक परीक्षाएं आयोजित की गईं। सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले रेफरियों को प्रमाण पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के तकनीकी निदेशक भुवनेश कुमार शर्मा और रेफरी अध्यक्ष अब्दुल मलिक खान ने तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेल में दोनों टीमों का ध्यान खेल पर होता है और खिलाड़ी हर तरकीब अपनाते हैं इसी समय रेफरी का काम शुरू होता है। वह तय नियमों के आधार पर खेल सर्वमान्य तरीके से संपन्न कराता है। अंतिम सत्र का शुभारंभ उत्तर प्रदेश क्वान की-डो एसोसिएशन के अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार सिंह गौतम ने किया। मुख्य अतिथि एसोसिएशन के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य अमित पांडेय ने सभी सफल प्रतिभागियों को ग्रेडिंग और रेफरी प्रमाण-पत्र प्रदान दिया। मौके पर संघ के सचिव उमेश केसरी, संयुक्त सचिव, सुल्तान खान, अमन कुमार, पूर्व अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह मौजूद रहे।

घने बाजारों में जाम से निजात को बनेंगे 10 नए पार्किंग स्थल

आगरा, एजेंसी। घने बाजारों में व्यापारियों और जनता को जल्द ही पार्किंग की किल्लत और जाम से छुटकारा मिलेगा। जिलाधिकारी के आदेश पर नगर निगम की टीम ने मंगलवार को 10 प्रस्तावित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया है। जमीन चिह्नित होने के बाद अब संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार, सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम और संपत्ति अधिकारी वैभव यादव ने जय पुरसनानी के साथ इन स्थलों का जायजा लिया। टीम ने जामा मस्जिद के सामने रेलवे लाइन के पास, नाला महावीर, बिजलीघर स्थित रक्षा विभाग की जमीन, पीपल मंडी, पुरानी चुंगी दरेसी नंबर-3, हाथी घाट स्थित शौचालय के पीछे, शाहगंज विद्यालय के पास, सिंधी बाजार और कोतवाली के समीप के स्थलों को परखा। सिंधी बाजार में जलकल टंकी पर दोपहिया वाहनों की पार्किंग प्रस्तावित है, जबकि पीपल मंडी में पुरानी पार्किंग के ऊपर नई पार्किंग बनाई जाएगी। निरीक्षण के बाद नगर निगम अब इन जमीनों पर अपनी सहमति बनाएगा।

तीन दिन से तलाश, बंद मोबाइल और फिर नाले में मिला शव

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना एकता की पंचवटी कॉलोनी में सुरक्षाकर्मी की नौकरी करने वाले 50 वर्षीय अब्दुल कलाम 11 जुलाई से लापता थे। मंगलवार को परिजनों ने सीसीटीवी देखने के बाद कॉलोनी के पास नाले में तलाश की तो उनका शव नाले में मिला। परिजन अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। नगला मेवाती निवासी आलिया ने बताया कि उनके पिता अब्दुल कलाम तीन वर्षों से पंचवटी कॉलोनी सुरक्षाकर्मी की नौकरी करते थे। 11 जुलाई को सुबह 11 बजे वह घर से ड्यूटी के लिए निकले थे। शाम 7 बजे कॉलोनी से निकले थे पर घर नहीं पहुंचे। मोबाइल भी बंद जा रहा था। कॉलोनी जाकर उनके मैनेजर से बात की पर उसने कोई सहयोग नहीं किया और

जानकारी न होने की बोलकर पल्ला झाड़ दिया। काफी कहने पर भी सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं दिखाई।

इस पर उन्होंने पुलिस को गुमशुदगी का प्रार्थनापत्र दिया। मंगलवार को वह मां बिलकिश और अन्य परिजन के साथ कॉलोनी पहुंचे। कॉलोनीवासियों के कहने पर रिकॉर्डिंग दिखाई गई। रिकॉर्डिंग में 11 जुलाई की शाम 7 बजे पिता सड़क पार करते हुए दिखे। इसके बाद सड़क किनारे नाले में जाकर देखा तो थोड़ी दूर पर नाले में पिता का शव दिख गया। अब्दुल कलाम के परिवार में पत्नी और पांच बच्चे हैं। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। प्रथम दृष्ट्या मामला हादसा लग रहा है।

मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक, 17 जुलाई तक मांगे सुझाव

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के तहत मतदाताओं को अधिक सुविधाजनक और सुगम मतदान केंद्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुनरीक्षण से पूर्व मतदेय स्थलों के संभाजन की प्रक्रिया के अंतर्गत प्राप्त सुझावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद तैयार की गई सूची पर विस्तार से चर्चा की गई। मेघा रूपम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर मतदेय स्थलों का पुनर्निर्धारण किया गया है, जिससे मतदान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और मतदाता हितैषी बन सके। उन्होंने राजनीतिक दलों को स्वीकृत और अस्वीकृत प्रस्तावों की जानकारी भी उपलब्ध कराई। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि को किसी मतदेय स्थल के संबंध में तथ्यात्मक संशोधन अथवा जनहित से जुड़ा कोई सुझाव देना हो तो वह 17 जुलाई की शाम तक संबंधित

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त प्रत्येक सुझाव और आपत्ति का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध परीक्षण किया जाए। जिन प्रस्तावों पर विवाद या आपत्ति है, उनका लेखपाल और बीएलओ के साथ संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर वस्तुस्थिति के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही उच्च आवासीय सोसायटियों में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप मतदाताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार नए मतदेय स्थलों की स्थापना सुनिश्चित की जाए। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों और जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विवाहिता से मारपीट कर नशीला पदार्थ पिलाने का आरोप, पति समेत दो पर मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव में एक विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे नशीला पदार्थ पिलाने और बेहोशी की हालत में भूसे के कमरे में छोड़ने का मामला सामने आया है। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के सेक्टर म्यू-दो निवासी अजीत कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उनकी बहन शशि का विवाह वर्ष 2007 में घोड़ी बछेड़ा गांव निवासी सुंदर रावल उर्फ मोगली के साथ हुआ था। विवाह में परिवार ने अपनी सामर्थ्य से अधिक दहेज दिया था। आरोप है कि 11 जुलाई को अजीत ने अपनी बहन से बात करने के लिए उसके पति को फोन किया तो उसने बताया कि शशि घर पर नहीं है और बाद में बात करा देगा। अगले दिन 12 जुलाई को सूचना मिली कि शशि को घर के भूसे वाले कमरे में डाल रखा गया है। सूचना मिलते ही अजीत अपने परिजनों के साथ गांव पहुंचे, जहां उनकी बहन बेहोशी की हालत में मिली। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकीय जांच के दौरान परिजनों को बताया गया कि पीड़िता को कथित रूप से नशीला पदार्थ पिलाया गया था। आरोप है कि इसके बाद उसके साथ मारपीट कर उसे कमरे में बंद कर दिया गया। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति सुंदर रावल उर्फ मोगली और योगेश के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शहर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फीडबैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न संस्थानों और आवासीय सोसाइटियों में जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए। अभियान के तहत इकोटेक-12 स्थित श्री भारत इंटरनेशनल कंपनी, सेक्टर-1 स्थित स्टेलर जीवन आवासीय सोसाइटी तथा सेक्टर-16सी स्थित 11वीं एवेन्यू आवासीय सोसाइटी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन शिविरों में संबंधित संस्थानों एवं आवासीय परिसरों के निवासी, प्रबंधन प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और हाउसकीपिंग कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों, स्रोत पर कचरे के पृथक्करण, गीले एवं सूखे कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण, पुनर्चक्रण तथा पर्यावरण संरक्षण के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही दैनिक जीवन में स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाने और सामूहिक सहभागिता बढ़ाने पर भी बल दिया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ, स्वस्थ और सतत शहर का निर्माण तभी संभव है, जब निवासी, प्रबंधन, प्रशासन और हाउसकीपिंग कर्मी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी जनजागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

पूर्व सैनिकों के सम्मान में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का दिया संदेश

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में गुरुवार को पूर्व सैनिकों और वीर सेनानियों के सम्मान में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक ईसीएचएस (भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) के सदस्य और उनके परिजनों ने भाग लेकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सैनिकों के स्वागत और सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर अस्पताल प्रशासन की ओर से वीर सेनानियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि पूर्व सैनिक देश की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान के साथ उन्हें बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना अस्पताल की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य

जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बढ़ती आयु में होने वाली सामान्य और गंभीर बीमारियों, समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, उचित उपचार तथा बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। चिकित्सकों ने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, योग, व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया। पूर्व सैनिकों ने भी कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए अस्पताल की पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में पूर्व सैनिकों के सम्मान और उनके योगदान को भी नई पहचान दिलाते हैं।

जेवर में राजकीय महिला डिग्री कॉलेज का शुभारंभ, छात्राओं का पंजीकरण शुरू

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा की नई सौगात देते हुए गुरुवार को नवनिर्मित राजकीय महिला डिग्री कॉलेज का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने महाविद्यालय का उद्घाटन कर छात्राओं के पंजीकरण की प्रक्रिया का भी शुभारंभ कराया। यह महाविद्यालय चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध रहेगा। उद्घाटन के दौरान डॉली, मोनिका, सानिया, प्रियंका, मोनिका और डिंपल कुमारी का महाविद्यालय में पंजीकरण कराया गया। विधायक ने कहा कि आजादी के बाद क्षेत्र की बेटियों को पहला राजकीय महिला डिग्री कॉलेज मिला है। बेटियों के हाथों में कलम आने से समाज का भविष्य मजबूत और उज्ज्वल बनता है। उन्होंने कहा कि यह केवल महाविद्यालय का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने वाले ऐतिहासिक अध्याय की शुरूआत है। अब छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना

पड़ेगा, जिससे आर्थिक और सामाजिक कारणों से पढ़ाई छोड़ने की समस्या भी कम होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में स्नातक स्तर पर हिंदी, अंग्रेजी, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, संस्कृत, अर्थशास्त्र और गृहविज्ञान विषयों में प्रवेश की व्यवस्था की गई है। यह महाविद्यालय वर्ष 2019 में भारत सरकार की प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुआ था। महाविद्यालय में डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. सुगात चन्द्र और डॉ. अजय कुमार यादव की सहायक आचार्य तथा सविता कुमारी की नियुक्ति की गई है। क्षेत्रवासियों ने महाविद्यालय के शुभारंभ को बेटियों की शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली क्षेत्र के नगीना-बिजनौर मार्ग पर गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव पमडावली निवासी 23 वर्षीय अश्वनी कुमार बाइक से किसी कार्य से बिजनौर आ रहा था। जैसे ही वह नगीना-बिजनौर मार्ग स्थित छोइया नदी के पुल के पास पहुंचा, उसी समय मोहित पेट्रोकेमिकल फैक्ट्री से एक जेसीबी मशीन बाहर निकल रही थी। इसी दौरान जेसीबी और बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अश्वनी कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर नगीना-बिजनौर मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का आरोप था कि फैक्ट्री से निकलने वाले भारी वाहनों की लापरवाही के कारण इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते। बताया गया कि अश्वनी कुमार का विवाह इसी वर्ष फरवरी में हुआ था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को शांत कराकर यातायात सामान्य कराया। इसके बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आंगनवाड़ी केंद्र चिटेहरा में टीएचआर वितरण, गोदभराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गुरुवार को आंगनवाड़ी केंद्र चिटेहरा में पंजीकृत लाभार्थियों के लिए टेक होम राशन (टीएचआर) वितरण, गोदभराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक तेजपाल नागर और ब्लॉक प्रमुख विजेंद्र भाटी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए पात्र लाभार्थियों को टेक होम राशन वितरित किया। इस दौरान छह गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई गई तथा छह बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा 14 पात्र लाभार्थियों को टेक होम राशन वितरित किया गया। विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पात्र परिवार तक गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लाभार्थियों से नियमित रूप से टेक होम राशन प्राप्त करने और उसका निर्धारित तरीके से उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में शिव नादर फाउंडेशन की उप प्रबंधक अर्चना और डॉ. आशुतोष ने भी भाग लिया। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के क्षेत्र में विभाग की पहल की सराहना करते हुए संतुलित आहार और पोषण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर दादरी और बिसरख परियोजना की बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां, सहायिकाएं, बड़ी संख्या में लाभार्थी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं और बच्चों के अभिभावकों को संतुलित आहार, स्वच्छता, टीकाकरण और समुचित पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई।

जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में भारत स्काउट एवं गाइड जिला परिषद की बैठक, गतिविधियों के विस्तार पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश की जनपद गौतमबुद्धनगर इकाई की जिला परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में स्काउट एवं गाइड गतिविधियों को अधिक प्रभावी, व्यापक और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान नई स्काउट एवं गाइड इकाइयों के गठन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन, राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए पात्र विद्यार्थियों की तैयारी, सेवा गतिविधियों के विस्तार तथा वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही विद्यालयों में स्काउट एवं गाइड गतिविधियों को अधिक सक्रिय और परिणामोन्मुख बनाने की रणनीति भी तय की गई। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों और पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के अधिकाधिक विद्यालयों में स्काउट एवं गाइड इकाइयों का गठन सुनिश्चित किया जाए तथा अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को इससे जोड़कर उनके व्यक्तित्व विकास और समाज सेवा के अवसर बढ़ाए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी बल दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, प्राचार्य डायट अर्चना गुप्ता सहित स्काउट एवं गाइड संगठन के विभिन्न पदाधिकारी, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन और जनपद के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आज कैराना में करेंगे 262 करोड़ की पीएसी वाहिनी का लोकार्पण, तैयारियां अंतिम चरण में

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार को प्रस्तावित कैराना दौरे को लेकर जनपद में प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने पूरे दिन कार्यक्रम को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां पूरी कीं। अधिकारियों ने ऊंचागांव स्थित पीएसी वाहिनी परिसर, हेलीपैड, जनसभा स्थल तथा वीवीआईपी मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऊंचागांव में लगभग 262 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पीएसी वाहिनी परिसर का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वह कैराना स्थित विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर सभी

विभागों को समयबद्ध ढंग से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने कार्यक्रम स्थलों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने हेलीपैड, सुरक्षा घेरा, अग्निशमन व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जनसभा स्थल पर मंच, पंडाल, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, शौचालय, मीडिया दीर्घा और आमजन के बैठने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। पुलिस प्रशासन ने मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है। कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात प्रबंधन तथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। निरीक्षण के दौरान पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा, विधान परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से मुख्यमंत्री का दौरा पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और सफल बनाया जाएगा।

150 करोड़ की संपत्ति के विवाद में बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या, गांव में पसरा मातम

मृतक हरिओम नेहरा का फाइल फोटो

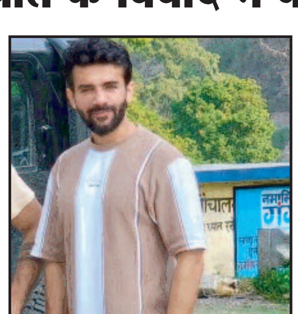

मृतक हरिओम नेहरा का फाइल फोटो

पिता और पुत्र की फोटो जो आज पूरे दिन सोशल मीडिया पर चलती रही। लाल शर्ट में मृतक हरिओम नेहरा है तथा टी-शर्ट और दाढ़ी में आरोपी पुत्र निखिल नेहरा है

मृतक हरिओम नेहरा का मकान जिसमें सन्नाटा पसरा पड़ा था

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर से सटे बुदाना गांव में संपत्ति के विवाद ने एक संपन्न परिवार को उजाड़ दिया। मंगलवार देर रात कथित रूप से करीब 150 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को लेकर हुए विवाद में पुत्र ने अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात उस समय हुई जब परिवार के सभी सदस्य घर पर मौजूद थे। घटना के बाद आरोपी पुत्र पिस्तौल लेकर मौके से फरार हो गया। इस सनसनीखेज हत्याकांड से पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है।

पुलिस के अनुसार 55 वर्षीय हरिओम नेहरा अपनी पत्नी मीनाक्षी, बड़े पुत्र निखिल, छोटे पुत्र निशु तथा माता राजेश देवी के साथ रहते थे। आरोप है कि मंगलवार देर रात निखिल नशे की हालत में घर पहुंचा और संपत्ति अपने नाम कराने की मांग को लेकर पिता से कहासुनी करने लगा। विवाद बढ़ने पर परिवार के अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर उसे शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इसी दौरान उसने पिस्तौल निकालकर हरिओम पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से हरिओम गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और विधि-विज्ञान दल मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। शव को परीक्षण के लिए भेज दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार हरिओम क्षेत्र के बड़े किसानों और संपन्न लोगों में गिने जाते थे। उनके पास गांव में लगभग 75 बीघा कृषि भूमि के अलावा दिल्ली-मेरठ मार्ग पर अंबर सिनेमा के सामने व्यावसायिक परिसर और बाजार है। बताया जाता है कि उन्होंने अपने बड़े पुत्र को कुछ भूमि और दुकानें उपयोग के लिए दे रखी थीं, लेकिन उनका स्वामित्व हस्तांतरित नहीं किया था। इसी बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि वर्ष 2018 में संपत्ति विवाद के दौरान निखिल ने अपने छोटे भाई निशु को भी गोली मारकर घायल कर दिया था, लेकिन उस समय परिवार ने मामला आपसी सहमति से निपटा लिया था।

पुलिस ने मृतक की पत्नी मीनाक्षी की तहरीर पर आरोपी पुत्र के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस दल गठित कर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपादकीय

ईरान अमेरिका टकरावः लंबा युद्ध, बदलती रणनीति और विश्व व्यवस्था की नई परीक्षा

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य टकराव अब केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा बाजार, कूटनीतिक संतुलन और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा बन चुका है। वर्ष 2025 में बारह दिनों तक चले भीषण संघर्ष के बाद यह उम्मीद जताई जा रही थी कि कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से तनाव कम होगा, लेकिन 2026 में घटनाक्रम बिल्कुल उलट दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के परमाणु एवं सैन्य ढांचे को गंभीर क्षति पहुंचाने का दावा किया, वहीं अमेरिकी नेतृत्व ने यह भी कहा कि ईरान की लगभग 90 प्रतिशत रणनीतिक क्षमताएं समाप्त कर दी गई हैं। लेकिन इसके बाद भी ईरान लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले करने में सक्षम दिखाई दे रहा है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य अड्डों को नष्ट करने से नहीं जीते जा सकते, बल्कि किसी देश की तकनीकी क्षमता, उत्पादन व्यवस्था, वैकल्पिक नेटवर्क और राजनीतिक इच्छाशक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

ईरान की लगातार जारी सैन्य प्रतिक्रिया ने दुनिया के सामने कई नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि इतने बड़े पैमाने पर हमलों के बाद भी कोई देश अपने मिसाइल और ड्रोन अभियान को जारी रख सकता है, तो इसका अर्थ है कि उसकी सैन्य उत्पादन प्रणाली पहले से कहीं अधिक विकेंद्रीकृत और सुरक्षित है। आधुनिक युद्ध में हथियारों के कारखाने केवल एक स्थान पर नहीं होते, बल्कि भूमिगत सुरंगों, छोटे-छोटे उत्पादन केंद्रों और गुप्त सैन्य परिसरों के माध्यम से उत्पादन जारी रखा जाता है। यही कारण है कि ईरान की सैन्य क्षमता को पूरी तरह समाप्त करने का दावा वास्तविकता से मेल खाता नहीं दिखाई देता। हाल के सप्ताहों में ईरान समर्थित सैन्य समूहों की सक्रियता और लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन तथा बैलिस्टिक मिसाइलों के इस्तेमाल ने यह भी साबित किया है कि संघर्ष अभी समाप्त होने से बहुत दूर है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर प्रभाव पश्चिम एशिया की स्थिरता पर पड़ रहा है। पहले से ही अनेक देशों में राजनीतिक अस्थिरता, गृहयुद्ध और आर्थिक संकट मौजूद हैं। ऐसे में यदि ईरान और अमेरिका के बीच सीधा संघर्ष लंबा चलता है तो इसका असर पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, तेल और गैस की आपूर्ति तथा वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर इसका सीधा प्रभाव दिखाई देने लगा है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस संघर्ष को केवल सैन्य दृष्टि से नहीं, बल्कि आर्थिक संकट की संभावनाओं के रूप में भी देख रही हैं। तेल उत्पादक क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर परिवहन, उद्योग, कृषि और आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। इसलिए यह युद्ध सीमाओं के भीतर नहीं रहेगा, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा।

इस संघर्ष की एक महत्वपूर्ण विशेषता आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग भी है। पारंपरिक युद्धों में जहां टैंक, लड़ाकू विमान और बड़ी सेनाएं निर्णायक भूमिका निभाती थीं, वहीं आज ड्रोन, साइबर हमले, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली और सटीक निर्देशित मिसाइलें युद्ध का स्वरूप बदल रही हैं। अपेक्षाकृत कम लागत वाले ड्रोन अब अत्यधिक महंगे सैन्य उपकरणों को चुनौती देने लगे हैं। इससे भविष्य के युद्धों का स्वरूप पूरी तरह बदलता दिखाई दे रहा है। यह स्थिति दुनिया के सभी देशों के लिए रक्षा नीति पर पुनर्विचार का विषय बन गई है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह संघर्ष कई नए समीकरण बना रहा है। एक ओर अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान पर दबाव बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर रूस, चीन तथा कई अन्य देश इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी रणनीतिक निगाह बनाए हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं युद्धविराम और संवाद की अपील कर रही हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान का कोई स्पष्ट रास्ता सामने नहीं आया है। यह स्थिति वैश्विक संस्थाओं की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार सैन्य कार्रवाई जारी रहती है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं केवल अपील तक सीमित रह जाती हैं, तो भविष्य में वैश्विक शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता भी प्रभावित हो सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

पीठ पर वार वही करते हैं, जिनमें अपनी छाती पर वार सहने का साहस नहीं होता है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

उमेश चतुर्वेदी

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है।

नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है।

इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा। बनारसी दास चतुर्वेदी जनपदीय भाषाओं को बढ़ावा देने के जरिए भाषायी लोकतंत्र की वकालत कर रहे थे। उन्हें पता था कि जनपदीय भाषाओं के आपसी संपर्क और संवाद के लिए हिंदी ही सहयोगी होगी। इसलिए वे जनपदीय भाषाओं के विस्तार के जरिए हिंदी को बढ़ावा दे रहे थे। नेपाल के हिंदी समर्थकों को भी आपसी भाषाओं के बीच कुछ उसी तरह सौहार्द को बढ़ावा देते हुए हिंदी के विकास की बात करनी होगी। इसी बहाने नेपाल में वे हिंदी को प्रतिष्ठापित करने में सफल हो सकेंगे।

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

निर्मल रानी

प्रभु श्री राम मंदिर, अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चौतरफा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने पूरे हिंदू समाज और राम भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस महापाप में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है।

परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफसोसनाक मामले पर भी राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ भटकया जा सके। उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक छोटी सी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ?कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे ठेका ले रखा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना गलत है।

उधर स्वयं को हिंदू रक्षा दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला गाजियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि यह लंगर मुल्लाओं के लिये नहीं। इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित और अजीबोगरीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है? दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है? इस ने तर्क दिया कि राम मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही भक्त हैं। उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुँचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा? उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है? उसके अनुसार जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक नहीं है। चंदा लूट व चोरी को जायज ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफरती शख़्स ने कीं।

इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सजा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव को तो फांसी की सजा होनी चाहिए। जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि बाकी सबको छह-छह महीने की सजा देकर छोड़ देना चाहिए। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की इस बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सजा देकर रफा दफा करना चाहते हैं। इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि हम (हिन्दू) आपस में निपट लेंगे । विपक्ष के अनुसार भाजपा के गुर्गे मैदान में उतर आए हैं, जो कह रहे हैं कि यह भाजपा, आरएसएस और राम भक्तों का निजी मामला है, उन्होंने

ही चंदा दिया है, उन्होंने ही लिया है और वे आपस में निपट लेंगे। इसमें किसी तीसरे या गैर-हिंदू को बोलने की जरूरत नहीं है। ऐसे लोगों का तर्क है कि चंदा चोरी पर सबसे ज्यादा विपक्ष और गैर-हिंदू नेता छाती पीट रहे हैं। कुछ लोग तो यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि यदि एक हिंदू भाई के पैसे का सुख दूसरा हिंदू भाई ले रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस नैरेटिव की चौतरफा आलोचना हो रही है और मंदिर चंदा लूट को आपसी मामला बताने वाले इन बयानों की केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग द्वारा तीखी निंदा की जा रही है। आलोचकों और आम श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान के घर में चोरी महापाप है। चोर का कोई धर्म या जाति नहीं होती। परन्तु राम मंदिर दान लूट के विषय में उपरोक्त दलीलें सुनकर तो यही लगता है गोया इस शर्मनाक घटना में भी कुतर्कों की इंतेहा कर दी गयी है।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

नीरज कुमार दुबे

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है।

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्स₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।

इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी।

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज

कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है।

देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।

देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।
~~~~~~~~~

जानलेवा है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।

भारत में फैलने का प्रमुख कारण

भारत में हेपटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।
हेपटाइटिस, मॉनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।
पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कॉहॉल से दूरी बनानी चाहिए
शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी–कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी ऐसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एग्जिमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन–डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैंक्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैंक्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल–यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर्स में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहार्ट डेटाबेस का उपयोग करके बल्ड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे–जैसे बल्ड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ–साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका बल्ड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्य होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते है तो आप सिर्फ सौंप का सेवन करें।

आज हम आपको सौंप के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते है।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।
सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डीटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।

पेटीएम देगा निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा

रिकॉर्ड मुनाफे के बाद बोर्ड बैठक में होगा फैसला

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने अपने निवेशकों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। कंपनी पहली बार बोनस शेयर जारी करने की योजना बना रही है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 552 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज करने और भुगतान तथा वित्तीय सेवा कारोबार में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद उठाया गया कदम है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि उसका निदेशक मंडल 20 जुलाई को होने वाली बैठक में 30 जून को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों के साथ बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करेगा। आवश्यक मंजूरियों के अधीन, निदेशक मंडल उसी बैठक में बोनस शेयर का अनुपात और रिकॉर्ड तिथि भी तय करेगा। यह निर्णय वित्त वर्ष 2025-26 में 552 करोड़ रुपये के उल्लेखनीय शुद्ध लाभ के बाद आया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 663 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। बोनस शेयर मौजूदा शेयरधारकों को उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में अतिरिक्त शेयर प्रदान करते हैं, जिससे कंपनी अपनी वित्तीय मजबूती और दीर्घकालिक वृद्धि की संभावनाओं पर भरोसा जताती है। यह कदम खुदरा निवेशकों के लिए शेयर को अधिक सुलभ बनाने और लिक्विडिटी बढ़ाने में भी मदद करेगा।

विंडफॉल टैक्स में 7 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के मद्देनजर भारत ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में 7 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात शुल्क में कमी कर थोड़ी राहत दी गई है। नई दरें 16 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। सरकारी आदेश के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 8.5 रुपए से बढ़ाकर 15.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 7.5 रुपए से बढ़ाकर 14.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाली ड्यूटी को 4 रुपए से घटाकर 2.5 रुपए प्रति लीटर किया गया है। यह फैसला पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने, ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी और ईरान के जवाबी हमलों के कारण लिया गया है। इन घटनाओं से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं, जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें उछलकर 84.7 रुपए प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। रूस से कम निर्यात और ईंधन बाजार में तंगी जैसी वजहों से डीजल रिफाइनिंग मार्जिन में हुई बढ़ोतरी भी इस कदम का एक कारण है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 0.1फीसदी कमजोर होकर 96.3450 पर बंद हुआ। वहीं पिछले सत्र में यह 96.2550 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.31 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट के कम होने के कोई संकेत नहीं मिलने के बीच कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रहा। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक शुरुआत से रुपये को कुछ समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.28 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 96.31 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। स्थानीय मुद्रा बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे कमजोर होकर 96.25 पर बंद हुई थी।

इंडिया सिरोस ईवी को कर सकती है भारत में लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में किआ इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है, और जल्द ही सिरोस ईवी को लॉन्च करने की योजना बना रही है। यह किआ की भारत में सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जो कैरेंस क्लैविस ईवी से नीचे रखी जाएगी। इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, मारुति ई-विटारा और महिंद्रा एक्सयूवी 400 जैसे मॉडलों से होगा। किआ सिरोस ईवी को 42 किलोवॉट-घंटा और 51.4 किलोवॉट-घंटा बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। यह बैटरी क्षमता हुंडई किआक्रेटा ईवी और किआ कैरेंस क्लाविस ईवी के समान है, लेकिन सिरोस के छोटी और हल्की होने के कारण इससे बेहतर ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है। 42 किलोवॉट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 443 किलोमीटर और 51.4 किलोवॉट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 520 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया जा सकता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी में से एक बना देगा। सबसे खास बात यह है कि कंपनी इस गाड़ी के साथ इंडस्ट्री की सबसे अच्छी 15 साल या लाइफटाइम बैटरी वारंटी दे सकती है, जो भारत में उपलब्ध सबसे व्यापक बैटरी कवरेज प्लान में से एक होगा। इसके साथ 3 साल की स्टैंडर्ड गाड़ी वारंटी भी मिलेगी, ।

सेबी ने जून में 5,000 से अधिक निवेशक शिकायतें निपटाईं, लंबित मामलों में कमी

नई शिकायतें भी तेजी से सुलझीं; पुरानी 17 शिकायतें अभी भी तीन माह से अधिक समय से लंबित

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जून महीने में अपनी ऑनलाइन शिकायत वारण प्रणाली स्कोर्स के जरिए 5,000 से अधिक निवेशक शिकायतों का निपटारा किया है, जो प्रभावी शिकायत समाधान की दिशा में एक मजबूत प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस अवधि में नई शिकायतें भी तेजी से सुलझाई गईं, जिससे लंबित मामलों की संख्या में कमी आई है। सेबी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में स्कोर्स पर 5,035 नई शिकायतें दर्ज की गईं, जबकि 5,037 शिकायतों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इसके परिणामस्वरूप 30 जून को लंबित शिकायतों की संख्या घटकर 5,524 रह गई, जो पहले 5,537 थी। नियामक ने बताया कि शिकायतों पर संबंधित इकाइयों ने कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने में औसतन चार दिन और प्रथम स्तर की समीक्षा वाली शिकायतों के निस्तारण में औसतन आठ दिन का समय लिया, जो मंच की दक्षता को दर्शाता है। हालांकि, जून के अंत तक 17 शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से लंबित थीं, जिनमें आदित्य बिड़ला मनी लिमिटेड, फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और एचबीएल पावर सिस्टम्स जैसी प्रमुख इकाइयों से संबंधित मामले शामिल हैं। सेबी ने स्पष्ट किया कि लंबित शिकायतों में वे भी शामिल हो सकती हैं जहाँ एटीआर जमा हो चुका है, लेकिन निवेशक अभी भी जवाब से असंतुष्ट होने पर समीक्षा का अनुरोध कर सकते हैं। स्कोर्स 2.0 के तहत, शिकायतें स्वतः संबंधित इकाई को भेजी जाती हैं और निवेशक को 21 दिनों में कार्रवाई रिपोर्ट मिलती है। असंतुष्टि

की स्थिति में, निवेशक 15 दिन के भीतर प्रथम और फिर द्वितीय स्तर की समीक्षा का अनुरोध कर सकते हैं,

जहाँ सेबी स्वयं जांच करता है, जिससे निवेशकों को न्याय सुनिश्चित होता है।

महंगाई की आशंका से गिरे सोने-चांदी के दाम

- घरेलू बाजार में सोना 540 और चांदी 924 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। गुरुवार 16 जुलाई को घरेलू बाजार (एमसीएक्स) में सोना और चांदी दोनों ही दबाव में कारोबार करते दिखे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे महंगाई के ऊंचे बने रहने का डर सता रहा है। इसका सीधा असर पीली और सफेद धातु की कीमतों पर दिख रहा है। कीमतों में तेज गिरावट घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 540 रुपये प्रति 10 ग्राम गिर गया है। वहीं चांदी के दाम में भी 924 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बाद एमसीएक्स पर सोना 1,41,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने पर दबाव देखा गया, जबकि चांदी में हल्की तेजी रही, हालांकि कुल मिलाकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। गिरावट के प्रमुख कारण सोने-चांदी की कीमतों में इस गिरावट के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव प्रमुख कारण है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और महंगाई का जोखिम फिर से बढ़ गया है। पहले, अमेरिका में थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े नरम रहने से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी न करने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब भू-राजनीतिक तनाव ने परिदृश्य बदल दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर महंगाई ऊंची बनी रहती है, तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनाए रख सकता है।,

रूसी तेल खरीद पर 100 फीसदी शुल्क का प्रस्ताव

संशोधित मसौदे में भारत सहित रूस के 5 सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार निशाने पर

नई दिल्ली ।

अमेरिका में दोनों दलों के सीनेटरों के एक समूह ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक का एक संशोधित मसौदा पेश किया है, जिसमें रूस के कच्चे तेल और गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस सूची में भारत भी शामिल है, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल पर बढ़ती निर्भरता के कारण एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर सकता है। यह संशोधित विधेयक पिछले मसौदे से भिन्न है, जिसे पहले सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने प्रस्तावित किया था, जिसमें रूस से ऊर्जा के सभी संभावित खरीदारों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था। नए मसौदे में भारत, चीन, हंगरी, स्लोवाकिया और अजरबैजान जैसे शीर्ष पांच खरीदारों को विशेष रूप से लक्षित किया गया है, जबकि ज्यादातर यूरोपीय देशों को इससे बाहर रखा गया है। भारत के लिए यह विधेयक ऐसे समय में आया है जब वह पश्चिम एशिया से आपूर्ति बाधाओं और रूसी तेल पर मिल रही भारी छूट के कारण जून में रूस से अपने कच्चे तेल का आयात बढ़ाकर 25.8 लाख बैरल प्रति दिन कर चुका है। मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में रूस का योगदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आपूर्ति बाधित होने की आशंका के चलते जुलाई में भी रूसी तेल की खरीद मजबूत रहने की उम्मीद है। यह विधेयक भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों को भी जटिल कर सकता है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि व्यापार वार्ता में इस विधेयक पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि व्यापार समझौते में शुल्क संबंधी चिंताओं के साथ-साथ इस विधेयक के प्रभाव पर भी बात होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी ऊर्जा नीति को राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा पर आधारित रखना जारी रखना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सीनेट में पारित होने के बावजूद इस विधेयक के लागू होने की संभावना कम है। उन्होंने सलाह दी कि भारत को चीन की तरह रूसी तेल खरीदना जारी रखना चाहिए। केप्लर के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रितोलिया ने भी स्वीकार किया कि भारत के लिए रूसी कच्चे तेल के समान पैमाने, विश्वसनीयता और किफायती विकल्प खोजना मुश्किल होगा। इस पृष्ठभूमि में, 15 जुलाई को ब्रेंट क्रूड की कीमतें एक सप्ताह पहले के 75 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। हालांकि, राष्ट्रपति को अमेरिकी राष्ट्रीय हित में प्रतिबंध हटाने का अधिकार भी है।

पीएफ खातों में अब न्यूनतम शेष राशि अनिवार्य

अंतिम निपटान में कम राशि को देखते हुए लाया गया नियम

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सदस्यों की सेवानिवृत्ति बचत बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026 के तहत भविष्य निधि (पीएफ) खातों में न्यूनतम शेष राशि अनिवार्य कर दी है। यह कदम तब उठाया गया है जब संगठन के लगभग आधे (48.7 फीसदी) सदस्यों के खाते में अंतिम निपटान के समय मात्र 10,000 से 20,000 रुपये ही रहते हैं, जो उनकी सेवानिवृत्ति के लिए पर्याप्त नहीं होते। ईपीएफओ ने बताया कि इस नए नियम से सेवानिवृत्ति के परिणामों में काफी सुधार की उम्मीद है, जिससे लगभग आधे सदस्यों की बुढ़ापे की बचत में 35 गुना तक की बढ़ोतरी हो सकती है। नई योजना बीमारी, शिक्षा, शादी और घर जैसे खास मकसद वाली निकासी के लिए एक समान प्रारूप लाती है, जिसकी अनुमति 12 महीने की सेवा पूरी करने के बाद मिलेगी। हालांकि, अब सदस्यों को आंशिक निकासी के बाद भी खाते में एक अनिवार्य न्यूनतम शेष बनाए रखना होगा। ईपीएफओ के अनुसार, जहां पहले 15,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला कर्मचारी 20 साल में 14 लाख तक जमा कर सकता था, वहीं अब 75 प्रतिशत राशि निकालने के बाद भी उसके खाते में लगभग 3.5 लाख रुपये की न्यूनतम शेष राशि बनी रहेगी।

बंधुआ मजदूरी पर भारत की अधिसूचना, अमेरिकी शुल्क में राहत की आस

सरकार ने बंधुआ मजदूरी से निर्मित सामान के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

भारत ने बंधुआ मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इससे अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर प्रस्तावित धारा 301 के तहत लगाए जाने वाले शुल्क में कुछ नरमी आने की उम्मीद है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने पिछले महीने भारत सहित कई देशों पर बंधुआ मजदूरी से जुड़े आयात की जांच के बाद 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव किया था। वहीं पाकिस्तान, इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसे देशों को बंधुआ मजदूरी से निर्मित वस्तुओं के आयात रोकने हेतु 'आंशिक व्यवस्था' लागू करने के कारण 10 प्रतिशत का कम शुल्क प्रस्तावित था। भारत सरकार ने इस सप्ताह बंधुआ मजदूरी का उपयोग करके निर्मित वस्तुओं के आयात को रोकने के लिए अधिसूचना जारी की है। वाणिज्य एवं उद्योग महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी इस अधिसूचना में बंधुआ मजदूरी को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की परिभाषा के अनुरूप परिभाषित किया गया है। यह कदम भारत को उसी अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप लाता है जिसका उपयोग अमेरिका घरेलू स्तर पर करता है। ऐसे में भारत को अब यूएसटीआर की जांच पर अंतिम रिपोर्ट में, जो संभवतः इस महीने जारी होगी, भारतीय सामानों के लिए बेहतर शुल्क परिणाम की उम्मीद है। अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 अमेरिका को उन व्यापार प्रथाओं की जांच करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति देती है।

जिन्हें वह अपने कारोबार के लिए हानिकारक मानता है। भारत और अमेरिका व्यापार समझौते के लिए भी बातचीत कर रहे हैं, जिसमें इन मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

आरबीआई ने वित्तीय संस्थानों के लिए डेटा जोखिम प्रबंधन मसौदा जारी किया

बैंकों, एनबीएफसी को मजबूत करनी होगी डेटा गवर्नेंस व्यवस्था

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) सहित अपने नियामक दायरे में आने वाली संस्थाओं के लिए डेटा से संबंधित जोखिमों के प्रबंधन हेतु एक मसौदा मानक जारी किया। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य वित्तीय संस्थानों में आंकड़ों की बढ़ती मात्रा और विविधता के बीच उनकी सटीकता, निरंतरता, सुरक्षा और उपयोगिता सुनिश्चित करना है। मसौदे में आंकड़ों के रखरखाव, भूमिकाओं, गुणवत्ता, साझाकरण और तीसरे पक्ष की व्यवस्था से जुड़े मानकों पर विशेष जोर दिया गया है। ये दिशानिर्देश अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) फ्रेमवर्क के 1 अप्रैल, 2027 से लागू होने से पहले आए हैं, जिसके लिए बैंकों से अपने आंकड़ा संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की अपेक्षा की गई है। आरबीआई ने कहा कि आंकड़ों की मात्रा और गति बढ़ने से प्रभावी डेटा गवर्नेंस व्यवस्था अनिवार्य हो गई है। प्रस्तावों के अनुसार बैंकों और एनबीएफसी को एक कार्यकारी-स्तरीय डेटा गवर्नेंस समिति का गठन करना होगा या मौजूदा समिति को यह जिम्मेदारी सौंपनी होगी। निदेशक मंडल को समग्र डेटा गवर्नेंस रूपरेखा की निगरानी करनी होगी और संबंधित रिपोर्टों की समीक्षा करनी होगी।

छोटी एसआईपी में निवेशकों की धूम, पर बनाए रखना बड़ी चुनौती

सेबी की पहल से छोटे निवेशकों को बढ़ावा, पर बाजार की अस्थिरता उच्च बंदी दर

नई दिल्ली ।

कम रकम वाली सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), खासकर 250 रुपये के निवेश विकल्प वाली छोटी एसआईपी, भारत में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। हालांकि, इनमें निवेश बंद होने की दर भी काफी अधिक बनी हुई है, जो पहली बार निवेश करने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करती है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 तक छोटी एसआईपी की कुल संख्या 3.22 लाख हो गई, जो अप्रैल 2025 में 1.97 लाख थी। यह वृद्धि सेबी द्वारा फरवरी 2025 में 250 रुपये की एसआईपी योजना शुरू करने के बाद हुई है, जिसका उद्देश्य छोटे निवेशकों को प्रोत्साहित करना था। हालांकि, इस श्रेणी में निवेश बंद होने की दर भी चिंताजनक है। मई 2026 में 26,000 से अधिक एसआईपी बंद हो गईं। सितंबर 2025 से प्रति माह औसतन 28,000 नई एसआईपी शुरू हुईं, जबकि 20,000 एसआईपी बंद होती रहीं। उद्योग जगत के विशेषज्ञों और एम्फी के अनुसार पहली बार निवेश करने वाले अक्सर बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

म्युचुअल फंडों ने जून में रणनीतिक सौदों से बढ़ाई इक्विटी खरीद

नई दिल्ली।

जून माह में म्युचुअल फंडों ने इक्विटी बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए ब्लॉक डील, पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जैसे नियोजित लेनदेन का व्यापक उपयोग किया। म्युचुअल फंडों ने इन रणनीतिक सौदों का इस्तेमाल महत्वपूर्ण हिस्सेदारी बनाने के लिए किया। जून में सबसे ज्यादा खरीदे गए शीर्ष 10 शेयरों में अदाणी एंटरप्राइजेज (ब्लॉक डील), जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर (क्यूआईपी), एक्मे सोलर होल्डिंग्स (क्यूआईपी) और एनएचपीसी (ओएफएस) प्रमुख रहे। अदाणी एंटरप्राइजेज में एक बड़ी ब्लॉक डील हुई, जबकि जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर और एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने क्यूआईपी के जरिए पूंजी जुटाई, वहीं सरकार ने ओएफएस के जरिए एनएचपीसी में हिस्सेदारी बेची। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में भी पिछले महीने बड़ी ब्लॉक डील हुई थीं और ये भी जून में सबसे ज्यादा खरीदे गए 15 अग्रणी शेयरों में शामिल रहे। इन नियोजित लेनदेन वाले शेयरों के अलावा, म्युचुअल फंडों ने बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, मीशो, कोल इंडिया और इटर्नल जैसे शेयरों में भी महत्वपूर्ण निवेश किया। पिछले महीने, शीर्ष 10 खरीदे गए शेयरों में म्युचुअल फंडों से कुल मिलाकर 32,000 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया।

सेबी ने बोर्ड सदस्यों के लिए सख्त की आचार संहिता, हितों के टकराव पर रोक

नए नियमों में डिस्क्लोजर, अनाधिकृत निवेश पर कड़ा शिकंजा

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने अपने बोर्ड सदस्यों के लिए प्रशासनिक ढांचे में बदलाव किए हैं। पारदर्शिता बढ़ाने और हितों के टकराव को रोकने के उद्देश्य से नियामक ने नई आचार संहिता जारी की है, जिसमें डिस्क्लोजर, खुद को कार्यवाही से अलग करने (रिक्यूजल) और अनाधिकृत निवेशों से जुड़े नियमों को काफी सख्त किया गया है। यह नई संहिता 2008 की 5 पेज की पिछली संहिता की तुलना में कहीं अधिक व्यापक है (17 पेज)। यह व्यापक नैतिक दिशानिर्देशों के बजाय नियमों के पालन पर अधिक जोर देती है। इसके तहत, पूर्णकालिक सदस्य और उनके परिवार वाले अपने कार्यकाल के दौरान उन योजनाओं में नया निवेश नहीं कर सकेंगे जिनकी इजाजतनहीं है। मौजूदा अनाधिकृत होल्डिंग की जानकारी देना भी अनिवार्य होगा। नई संहिता ऐसे अनाधिकृत निवेशों को संभालने के विकल्प भी बताती है ।

स्मिथ-गौस के शतक से जीता वाशिंगटन फ्रीडम

टूटा पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड; पूरन-पोलार्ड की पारी बेकार, MI न्यूयॉर्क बाहर

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 का एलिमिनेटर मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने कप्तान स्टीव स्मिथ और एंड्रिस गौस की शतकीय पारी के दम पर एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हरा दिया और चैलेंजर राउंड में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स से होगा।

इस मैच में जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया और पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड टूट गया। वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया काफी रोमांचक और हाई स्कोरिंग रहा। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

स्टीव स्मिथ और गौस ने लगाए शतक

वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 267 रन का टारगेट मिला था जो काफी मुश्किल था, लेकिन इस टीम के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 48 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों के साथ नाबाद 110 रन की पारी खेली। स्मिथ ने अपना शतक इस दौरान 40 गेंदों पर पूरा किया। वहीं एंड्रिस गौस ने 12 छक्के और 10 चौकों की मदद से 51 गेंदों पर 132 रन की पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। स्मिथ और गौस के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 गेंदों पर 241 रन की साझेदारी भी हुई। एमआई न्यूयॉर्क के लिए शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

लक्ष्य ने श्रीलंका के खिलाफ लगाया दोहरा शतक

295 रन की साझेदारी कर तोड़ा 29 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। श्रीलंका अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में इंडिया अंडर 19 टीम के ओपनर बल्लेबाज लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने गजब का पारी खेली और दोहरा शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में सागर विर्क के साथ पहले विकेट के लिए 295 रन की साझेदारी की और 29 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा जो यूथ टेस्ट में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने बनाए थे। हालांकि लक्ष्य और सागर, गौतम गंभीर और विनायक माने से आगे नहीं निकल पाए।

लक्ष्य ने लगाया दोहरा शतक- लक्ष्य ने इस मैच में गजब की पारी खेली और इंडिया अंडर 19 की पारी को संभालने का काम किया। उन्होंने अपना शतक पहली पारी में 148 गेंदों पर चौका लगाकर पूरा किया जबकि उन्होंने अपना दोहरा शतक 310 गेंदों पर लगाया। हालांकि दोहरा शतक पूरा करने के बाद वो ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाए और आउट हो गए। पहली पारी में उन्होंने 324 गेंदों पर 207 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से 3 छक्के और 22 चौके भी

पोलार्ड अब गेल की लिस्ट में शामिल

T20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-10 बैटर, सिर्फ एक भारतीय सूची में शामिल

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान किरोन पोलार्ड ने बेहद तेज पारी खेली और वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 8 छक्के और एक चौके की मदद से 64 रन बनाए। ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 70वां अर्धशतक था साथ ही इन 8 छक्कों के दम पर किरोन पोलार्ड ने अब क्रिस गेल की खास लिस्ट में भी जगह बना ली।

किरोन पोलार्ड ने टी20 में पूरे किए 1000 छक्के- किरोन पोलार्ड अब टी20 प्रारूप में 1000 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में पहले अकेले सिर्फ क्रिस गेल ही थे, लेकिन अब पोलार्ड ने उन्हें ज्वाइन कर लिया है। क्रिस गेल ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में खेले 463 मैचों की 455 पारियों में कुल 1056 छक्के लगाए थे। वहीं पोलार्ड की बात करें तो वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 746 मैचों की 663 पारियों में कुल 1001 छक्के लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आंद्र रसेल हैं जिन्होंने 600 मैचों की 517 पारियों में 792 छक्के लगाए थे। वहीं निकोलस पूरन इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत ने बुडापेस्ट में जीता गोल्ड

प्लेऑफ में अजरबैजानी पहलवान को हरा दीपक ने नाम किया कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर फिर अपना दम दिखाया है। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने हंगरी की राजधानी में बुडापेस्ट में आयोजित पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस एंड कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया।

अमन सहरावत ने फाइनल में जॉर्जिया के रोबेर्टी डिंगाशविली को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-3 से हराया। भारतीय दल के पदकों की संख्या तब बढ़ गई जब दीपक ने 61 किग्रा फ्रीस्टाइल में कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। दीपक ने प्लेऑफ में अजरबैजान के नुरद्दीन नोवरुजोव को 9-8 से हराया। दीपक के अलावा विशाल कालीरमाना (पुरुष 65 किग्रा) ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों की संख्या तीन कर दी।

अप्रैल में एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपने पहले इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे अमन सहरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन सहरावत पेरिस 2024 में भारत के सबसे युवा ओलंपिक मेडलिस्ट बने थे।

4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं

22 साल के अमन सहरावत ने जॉर्जिया के निकोलोज बोचोरिशविली के खिलाफ 10-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल कर अपने अभियान की शुरुआत की। क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के ओलंपियन मीरामबेक कार्तबे को 10-3 से हराया। सेमीफाइनल में अजरबैजान के मौजूदा यूरोपियन चैंपियन इस्लाम बाजारगानोव को 11-0 से हराया। इस तरह अमन ने 4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं।

दीपक ने 0-8 से पिछड़ने के बाद 9-8 से जीता मुकाबला

इस बीच दीपक ने कांस्य पदक मुकाबले में अजरबैजानी पहलवान नुराद्दीन नोवरुजोव के खिलाफ 0-8 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और 9-8 से रोमांचक जीत हासिल की। इससे पहले भारतीय पहलवान क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के रामिज तुर्मानिद्जे को 7-4 से हराने के बाद सेमी-फाइनल में कजाकिस्तान के असिल ऐताकिन से 2-1 से हार गए थे। विशाल कालीरमाना ने कजाकिस्तान के ओसुमजान दस्तानबेक को 8-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। वह सेमीफाइनल में ईरान के अहमद इब्राहिमजादेह से क्राइटेरिया के आधार पर हार गए थे।

राहुल क्वार्टर फाइनल में हारे, अभिमन्यु नहीं कर पाए क्वालिफाई

राहुल 57 किग्रा भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गए, जबकि एशियन चैंपियन अभिमन्यु मंडवाल पुरुषों के फ्रीस्टाइल 70 किग्रा भारवर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में ही बाहर हो गए।

एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले पहलवान सागर जगलान (74 किग्रा) और मुकुल दहिया (86 किग्रा), साथ ही अमित (86 किग्रा) अपने-अपने भार वर्ग में पोडियम फिनिश (पदक नहीं जीतना) नहीं कर पाए।

रोहित शर्मा- राहुल द्रविड़ नंबर 5

टॉप पर रहे ये दोनों; आकाश चोपड़ा ने चुनी 6 बेस्ट कप्तान-कोच की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कप्तान-कोच की बेस्ट टॉप-6 जोड़ियों का चयन किया। उन्होंने इनके प्रदर्शन के आधार पर रैकिंग की, लेकिन पहले नंबर पर उन्होंने किसी भारतीय कोच या कप्तान की जोड़ी को नहीं रखा। हालांकि टॉप-6 में उन्होंने 3 भारतीय

जोड़ी को जरूर जगह दी। इन जोड़ियों में रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़, विराट कोहली-रवि शास्त्री, सौरव गांगुली और जॉन राइट भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि आकाश चोपड़ा ने किस जोड़ी को किस स्थान पर रखा।

रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ रहे पांचवें स्थान पर- आकाश चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर दुनिया की बेस्ट टॉप-6 कोच-कप्तान की जोड़ी के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी लिस्ट में छठे नंबर पर बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम हैं जिन्होंने बैजबॉल क्रिकेट खेली। ये मनोरंजक तो था, लेकिन इससे रिजल्ट अच्छे नहीं आ पाए। ऐसे में जब परिणाम नहीं है तो ये फिर क्या ही आपकी साझेदारी का प्रमाण है। आकाश ने नंबर 5 पर रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को रखा। रोहित और राहुल के बारे में आकाश ने कहा कि इनकी साझेदारी काफी अच्छी रही और इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप टाइटल भी जीता।

अर्जेंटीना फाइनल में

इंग्लैंड को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 2-1 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। अब फाइनल में उनका मुकाबला स्पेन से होगा जहां वे अपना खिताब बचाने और ऐसा करने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेंगे। अर्जेंटीना की इस जीत में लियोनेल मेसी एक बार फिर अहम भूमिका में रहे उन्होंने अपनी टीम के उन दोनों गोलों में असिस्ट किया जो एंजो फर्नांडीज और लॉटारो मार्टिनेज ने किए थे।

मेसी ने की माराडोना की बराबरी

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी लियोनेल मेसी सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने और सेमीफाइनल मुकाबला खेलने वाले 39 साल से ज्यादा उम्र के पहले आउटफील्ड खिलाड़ी बने। उन्होंने वेस्ट जर्मनी के फ्रिट्ज वाल्टर का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल और 236 दिन की उम्र में 1958 का फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल खेला था। लियोनेल मेसी डिएगो माराडोना (1986, 1990) के बाद अपनी टीम को लगातार दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान भी बन गए।

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड माराडोना की बराबरी की

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड

फाइनल में पहुंचने के साथ ही मेसी ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। 39 साल 25 दिन की उम्र में लियोनेल मेसी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के गुन्नार ग्रेन का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल 241 दिन की उम्र में इटली के खिलाफ 1958 का वर्ल्ड कप फाइनल खेला था। इस तरह मेसी 39 साल की उम्र के बाद फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

प्लेयर	देश	उम्र	साल
लियोनेल मेसी	अर्जेंटीना	39 साल 25 दिन	2026
गुन्नार ग्रेन	स्वीडन	37 साल 241 दिन	1958
निल्टन सैंटोस	ब्राजील	37 साल 32 दिन	1962
ओलिवियर गिरौड	फ्रांस	36 साल 79 दिन	2022
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	36 साल 34 दिन	2014
निल्स लीडहोम	स्वीडन	35 साल 264 दिन	1958

वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड एक साथ टूटा

- निकोलस पूरन ने ठोका तूफानी शतक, लगाए 13 छक्के 5 चौके

नई दिल्ली। एमआई न्यूयॉर्क के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ तूफानी शतकीय पारी खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। पूरन ने इस मैच में अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इन तीनों दिग्गजों से टी20 क्रिकेट में कम गेंदों पर शतक लगाने के मामले में आगे निकल गए।

निकोलस पूरन ने तोड़ा वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड- निकोलस पूरन ने एमआई न्यूयॉर्क के लिए तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इस मैच में 33 गेंदों पर 106 रन की पारी खेली। पूरन ने अपनी पारी के दौरान 13 छक्के और 5 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 321.21 का रहा। पूरन की इस पारी के दम पर इस टीम ने वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

पीवी सिंधु ने सिर्फ 35 मिनट में दुनिया की 5वें नंबर की शटलर को हराया

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार 16 जुलाई 2026 को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पीवी सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू को हराया। पीवी सिंधु की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग (विमेंस सिंगल्स) में 10 है।

भारतीय शटलर ने दूसरे दौर के मुकाबले में बेहतर रैंकिंग वाली चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 21-16, 21-14 से शानदार जीत दर्ज करने में सिर्फ 35 मिनट का समय लिया। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु को कोई वरीयता नहीं दी गई है। यह नतीजा इस सीजन में पीवी सिंधु के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने शुरुआती चुनौती निपटते हुए चीनी खिलाड़ी पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया।

पीवी सिंधु ने धीरे-धीरे बनाया दबदबा- शुरुआत में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि हान यू खेल की गति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पीवी सिंधु धीरे-धीरे मैच में जम गईं।

- **अब जापानी शटलर से होगी पीवी सिंधु की भिड़ंत-** पीवी सिंधु ने अपनी सटीकता और कोर्ट कवरेज बनाए रखी और अंतत: 21-14 से जीतकर शानदार विजय हासिल की। इस जीत के साथ पीवी सिंधु ने हान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। 31 वर्षीय पीवी सिंधु का अगला मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा से होगा। नोजोमी ओकुहारा को साउथ कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग के दूसरे दौर के मैच से हटने के बाद वॉकओवर मिला। टूर्नामेंट अन्य भारतीय शटलरों की बात करें तो मिक्स्ड डबल्स में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड की जूली मैकफर्सन और एलेक्जेंडर डन को सिर्फ 38 मिनट में 21-16, 21-14 से हराया था। राउंड ऑफ 16 में तनीषा और ध्रुव का चीन की हुआंग डोंग पिंग और फेंग यान झी से मुकाबला हुआ।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3950

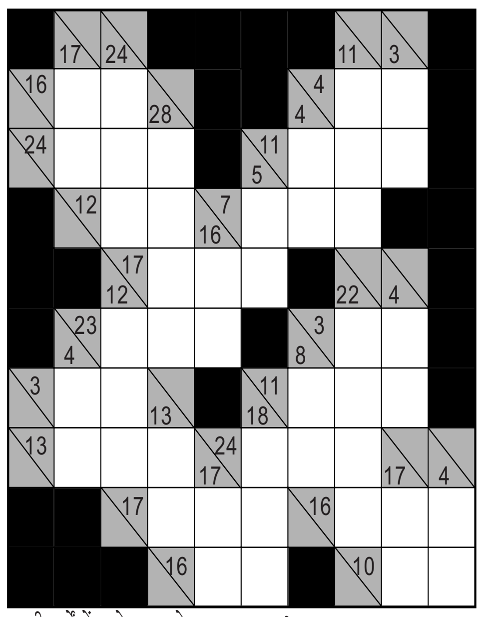

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

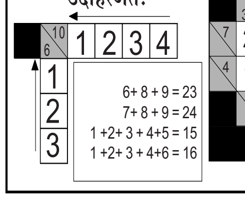

काकुरो -3949 का हल

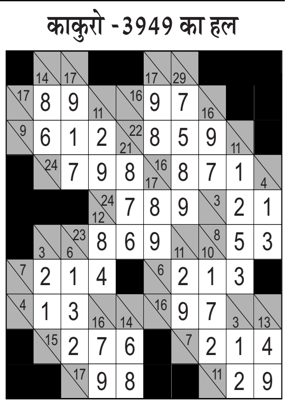

लॉफिंग ज़ोन

एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

□ □ □

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

□ □ □

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

चमन- कुछ बिके भी है?

नरेश- हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3950

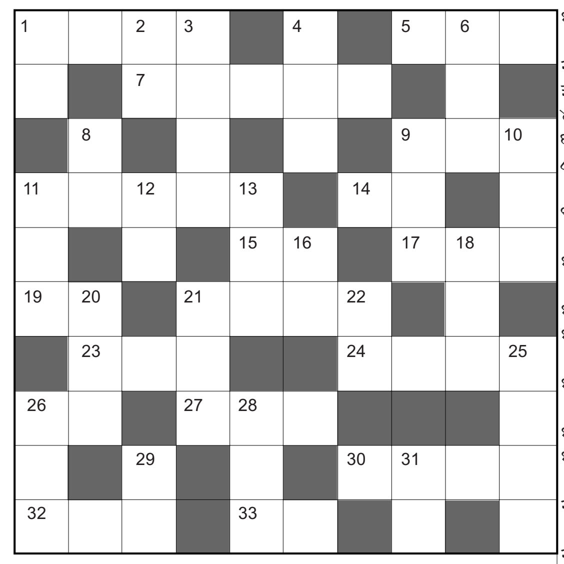

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3949

सूडोकु -3950

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3949 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3950

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -3949 का हल

बॉडी मसाज या बॉडी स्पा को लेकर लोगों की अलग-अलग घारणा होती है। कई बार लोग सिर्फ इसलिए नहीं जाते, क्योंकि उन्हें ये नहीं पता होता कि मसाज में आखिर होता क्या है। पर बॉडी मसाज और स्पा आपके शरीर के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है। अगर बहुत ज्यादा स्ट्रेस हो या फिर आपको लग रहा हो कि शरीर में कहीं दर्द है तो ऐसे में बॉडी मसाज काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। स्पा ट्रीटमेंट से भी शरीर के टिशू में फर्क पड़ सकता है और ये आपको रिलैक्स कर देगा। आप स्पा के साथ स्टीम बाथ, थर्मल स्पा आदि ले सकती हैं और बॉडी मसाज में तो सिर्फ शरीर की मसाज ही होगी। पर अगर आप पहली बार ये करवाने जा रही हैं तो कुछ चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ये टिप्स आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

पहली बार स्पा जाने या बॉडी मसाज करवाने से पहले जान लें ये बातें

कपड़ों का रखें ध्यान

मसाज करवाने से पहले अपने कपड़ों का ध्यान रखें। ऐसे कपड़े न पहनें जिनमें तेल का दाग लगने का खतरा हो क्योंकि इसके बाद आपके शरीर में काफी ऑयल आएगा। वैसे तो मसाज के वक्त डिस्पोजेबल पैंटी वगैराह आपको दी जाती है, लेकिन फिर भी अगर आपको लगता है कि आपको अपने ही अंडरगार्मेंट्स में मसाज करवाना है तो थोड़ा ढीला पहनिए। अंडरगार्मेंट्स का खयाल रखना बहुत जरूरी है क्योंकि हो सकता है कि मसाज के बाद ज्यादा टाइट अंडरगार्मेंट्स से आपको तकलीफ हो जाए। मसाज के बाद कई लोगों का शरीर थोड़ा सूझ भी जाता है और लाला हो जाता है क्योंकि स्किन पर प्रेशर पड़ता है इसलिए आपको ध्यान रखना चाहिए कि कपड़े ज्यादा टाइट न हों।

मसाज के पहले खाना न खाएं

ये बहुत ही बेसिक टिप है, लेकिन अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर जाते हैं। मसाज के कारण पूरे शरीर पर प्रेशर पड़ता है और अगर आपने 1 घंटे पहले काफी भारी खाना खाया है तो आपके शरीर से गैस निकल सकती है या फिर आपको अपच हो सकती है। इसी के साथ, अगर ज्यादा प्रेशर वाली थेरेपी वाली मसाज करवा रही हैं तो हो सकता है कि मसाज करवाते समय ही उल्टी आ जाए। मसाज के कम से कम दो-ढाई घंटे पहले से ही कोई बहुत ज्यादा भारी खाना न खाएं। इसके अलावा, ये भी ध्यान रखें कि मसाज के पहले पानी का सेवन कम करें। मसाज के फायदे बहुत हैं, लेकिन इसके लिए पेट का थोड़ा खाली रहना भी जरूरी है।

मसाज के पहले नहा लें

वैसे तो लोग अक्सर स्पा या मसाज के बाद नहाते हैं, लेकिन आपको पहले नहाना चाहिए। अगर आपके पास नहाने का समय नहीं है तो आप खुद को वाइप्स से साफ कर सकते हैं। इससे होगा ये कि पसीने और गंदगी के कारण आपके शरीर में तेल का असर कम नहीं होगा और आपका स्पा ट्रीटमेंट या फिर बॉडी मसाज अच्छे से हो पाएगा। हां, ऐसा कर सकती हैं कि मसाज लेने के थोड़ी देर बाद तक न नहाएं और थेरेपी वाला तेल शरीर में ऑब्जर्ब होने दें।

किस तरह की मसाज चाहिए ये सुनिश्चित करें

ऐसा नहीं है कि कोई भी स्पा या कोई भी बॉडी मसाज ले ली जाए तो समस्या ठीक हो जाती है। पर गलत मसाज से हो सकता है कि तकलीफ हो जाए। अगर आपको ये नहीं समझ आ रहा कि किस तरह की मसाज की जाए तो आप स्पा वालों से बात कर सकती हैं। किस तरह का तेल इस्तेमाल किया जाए। किस तरह का प्रेशर शरीर पर डाला जाए। किस तरह शरीर के लिए आरामदायक स्थिति रखी जाए ये सब कुछ निर्भर करता है इस बात पर कि आपने कौन सा मसाज करवाया है। हमेशा ये ध्यान रखें कि अगर स्पा करवा रही हैं तो कोई एक्सपर्ट हो जिसके पास लाइसेंस हो। हमेशा किसी अच्छी जगह से ही स्पा करवाना चाहिए।

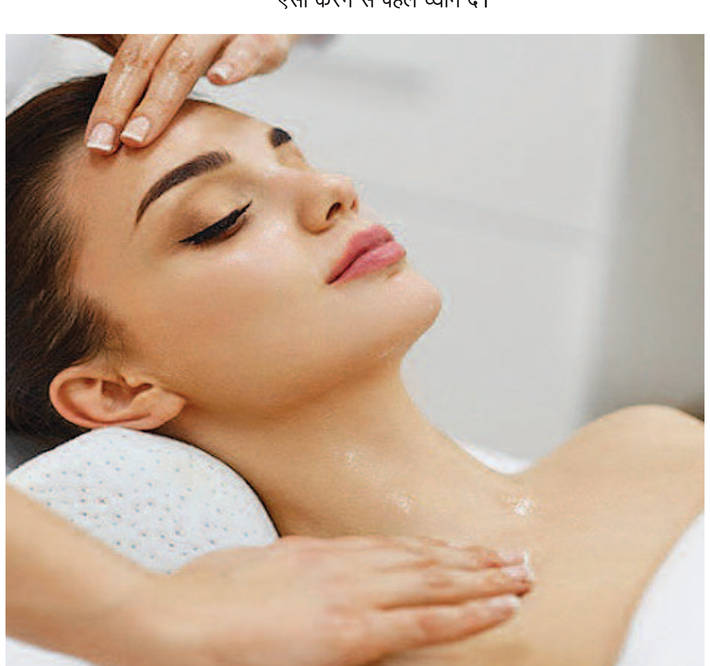

अपनी एलर्जी के बारे में बताएं

अक्सर लोगों से ये गलती हो जाती है कि वो अपनी एलर्जी या अपनी समस्या के बारे में नहीं बताते हैं। कई लोगों की सेंसिटिव स्किन होती है तो उन्हें कोई हार्ड लोशन या बॉडी मॉइश्चराइजर से भी दिक्कत हो सकती है। कुछ लोगों को कुछ खास तरह के तेल से दिक्कत होती है। ऐसे में आपको मसाज करवाने से पहली अपनी एलर्जी के बारे में पहले से बताना चाहिए। अगर आपने अपने थेरेपिस्ट को नहीं बताया है तो हो सकता है कि इसके बाद कोई दिक्कत हो जाए या स्किन में जलन आदि लगे। या फिर सूजन ज्यादा बढ़ जाए। ऐसा करने से पहले ध्यान दें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

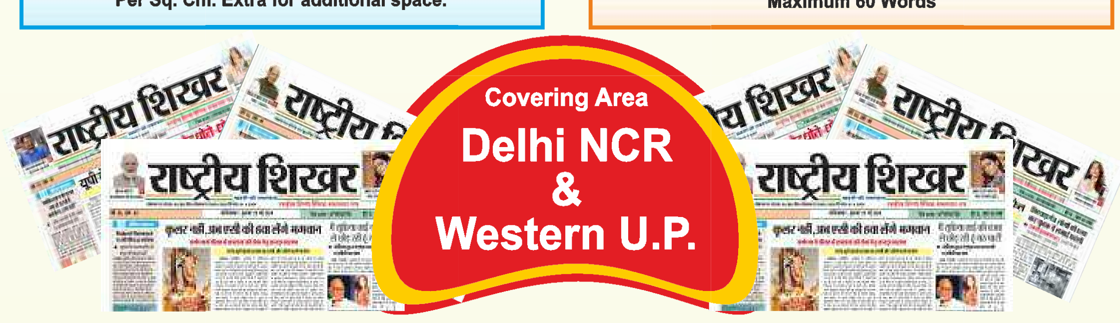
Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर वेदांग रैना का बड़ा खुलासा

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आखिरी रिलीज फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म में वेदांग के अभिनय को भी काफी पसंद किया गया है। इसके साथ ही उनके रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हर कोई ये जानना चाहता है कि वेदांग सिंगल हैं या रिलेशनशिप में हैं। अब खुद वेदांग ने बताया है कि वो सिंगल हैं या नहीं?

सिंगल हैं वेदांग रैना

हाल ही में एचटी सिटी के साथ बातचीत में वेदांग रैना ने कंफर्म किया कि वो इन दिनों सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'अभी मैं सिंगल हूं।' हालांकि, इससे पहले उनका नाम एक्ट्रेस खुशी कपूर के साथ जोड़ा जा रहा था। लेकिन अब एक्टर के खुद को सिंगल बताने के बाद दोनों के ब्रेकअप को लेकर पुष्टि होती है। इस दौरान वेदांग ने ये भी बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति में सबसे पसंद दयालुता आती है। एक्टर का कहना है कि और भी खूबियां हैं, लेकिन अगर आप दयालु नहीं हैं, तो बाकी सब बेकार है।

अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं

वेदांग अभी भी अपनी हालिया रिलीज फिल्म के शानदार सफर को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सब बहुत जबरदस्त रहा है। शुरुआती कुछ दिनों में तो बहुत कुछ हो रहा था। फिल्म के बारे में बहुत सी बातें कही जा रही थीं और अब इसे क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही बहुत प्यार मिल रहा है। जिन स्क्रीनिंग में हम गए, मैंने ऐसे रिएक्शन कभी नहीं देखे। मुझे लगा कि इसका कुछ तो असर जरूर होगा। फिल्म के शुरुआती बॉक्स-ऑफिस पर खराब प्रदर्शन से वे निराश हो गए थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत निराशाजनक था। फिर हालात बदले। मुझे लगता है कि इसी वजह से यह पूरी बात और भी खास हो जाती है। ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां ऐसा हुआ हो। मेरा यह भरोसा फिर से कायम हो गया कि अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं।

कृष्णावतारम सिर्फ फिल्म नहीं मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट है...

निर्देशक हार्दिक गज्जर की 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म भारत में 50 दिनों तक सिनेमाघरों में बनी रही और करीब 40 करोड़ रुपए का कारोबार किया। फिल्म के भव्य विजुअल्स, भव्यता कहानी और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों के साथ सत्यभामा का किरदार भी दर्शकों को पसंद आया। यह भूमिका निभाने वाली संस्कृति जयना की पहली फिल्म है। खास बातचीत में उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म और सफर पर खुलकर बात की।

पहली फिल्म ने बदली जिंदगी

संस्कृति ने कहा... 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' की रिलीज के बाद मुझे जितना प्यार मिला है, वह मेरी कल्पना से कहीं अधिक है। कई लोगों ने सिर्फ मेरे अभिनय की ही नहीं, बल्कि सत्यभामा, श्रीकृष्ण, राधा और रुक्मिणी जैसे दिव्य पात्रों के प्रति अपनी आस्था और भावनात्मक जुड़ाव भी साझा किया। मेरे लिए बड़ी बात यह है कि मैं मैं इन पात्रों तक दर्शकों की भावनाएं पहुंचाने का सिर्फ एक माध्यम बन सकी। यही मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है। पहली ही फिल्म की सफलता ने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी है। एक नए कलाकार के रूप में जिस तरह का प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता मिली, उसने मुझे भावुक कर दिया। जब लोग मेरे निभाए किरदार को दिल से अपनाते हैं, तो लगता है कि मेरी मेहनत सफल हुई है। मेरे लिए यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा उपहार है।'

असली सेट्स ने बढ़ाया फिल्म का भव्यपन

उन्होंने कहा... 'लोग फिल्म के वीएफएक्स की काफी तारीफ कर रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका बड़ा हिस्सा वास्तविक सेट्स पर शूट किया गया है। हमारे लिए वृंदावन का पूरा गांव बनाया गया था और द्वारका का भी बेहद विशाल सेट तैयार किया गया था। बाद में वीएफएक्स की मदद से इन सेट्स का विस्तार किया गया।

आध्यात्मिक तैयारी की.....

उन्होंने आगे कहा... 'सत्यभामा का किरदार निभाने के लिए मैंने सिर्फ अभिनय की तैयारी नहीं की, बल्कि खुद को आध्यात्मिक रूप से भी तैयार किया। मैंने सत्यभामा से जुड़ी कई किताबें पढ़ीं और जिस पुस्तक पर यह फिल्म आधारित है, उसका भी गहराई से अध्ययन किया। इसके अलावा भगवद्गीता और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े कई ग्रंथ पढ़े।'

हॉलीवुड एक्टर की अधूरी ख्वाहिश पर बोले शेखर कपूर

क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' का दर्शकों के बीच बेसब्री से इंतजार है। भारतीय दर्शकों में भी इस फिल्म के लिए उत्साह है। इसी के चलते क्रिस्टोफर फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में मुंबई आए। बीते दिन फिल्म का मुंबई में प्रीमियर हुआ। इस दौरान क्रिस्टोफर नोलन, प्रोड्यूसर एमा थॉमस और एक्टर मैट डेमन व टॉम हॉलैंड मौजूद रहे। सभी ने मीडिया से बात की। इस दौरान मैट डेमन ने भारतीय फिल्ममेकर शेखर कपूर के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। शेखर ने अब इस पर रिएक्शन दिया है।

शेखर कपूर ने क्या कहा?

डैमन की बात सुनकर शेखर कपूर ने भी ऑस्कर विजेता इस एक्टर की उतनी ही तारीफ करते हुए जवाब दिया। डैमन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कोई ऐसा फिल्ममेकर होगा, जो मैट डैमन जैसे इमोशनल गहराई वाले एक्टर के साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार न हो। 'गुड विल हंटिंग' फिल्म में रॉबिन विलियम्स के साथ उनका मशहूर सीन- 'इट्स नॉट योर फॉल्ट' भला कौन भूल सकता है'? शेखर कपूर ने एनडीटीवी से बात करते हुए कहा, 'मैंने इसे शायद 1000 से ज्यादा बार देखा होगा और हर बार मेरी आंखों में आंसू आ गए। घटनाएं अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच घूमती रहती हैं, जबकि समय हमारी कल्पना में बनता है। इसलिए अब समय आ गया है कि मैट और मैं साथ मिलकर काम करें'।

मैट डेमन ने क्या कहा?

बता दें कि फिल्म 'द ओडिसी' के मुंबई प्रीमियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मैट डेमन से पूछा गया कि अगर उन्हें किसी भारतीय फिल्मकार के साथ काम करने का मौका मिले, तो वह किसे चुनेंगे? तो उन्होंने बिना देर किए शेखर कपूर का नाम लिया। मैट डेमन ने कहा, 'करियर की शुरुआत में जिस फिल्मकार के साथ हर कोई काम करना चाहता था, उनमें शेखर कपूर सबसे ऊपर थे। मुझे याद है कि मैं उनकी फिल्म 'द फोर फेदर्स' नहीं कर पाया था। उसे लेकर बहुत निराश था, क्योंकि उस समय मैंने 'बॉर्न' फिल्म साइन कर ली थी। इसलिए शेखर कपूर हमेशा मेरी सूची में रहे हैं'। अमेरिकी फिल्म 'द ओडिसी' में मैट डेमन, इथाका के पौराणिक राजा ओडिसियस की भूमिका में हैं।

आकांक्षा चमोला को लेकर रुबिना दिलैक का नया खुलासा

रुबिना दिलैक और आकांक्षा चमोला एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। इनका कई बार मिलना भी हुआ। एक बातचीत में रुबिना को आकांक्षा ने कहा था कि उसे बच्चे नहीं चाहिए क्योंकि उसके लिए उसका डॉग ही बच्चे जैसा है। यह बात सुनकर रुबिना थोड़ी चौंक गई थीं, क्योंकि वह उस वक्त गर्भवती थीं। रुबिना ने यह बातें अपने नए टॉक शो में कही हैं। इस टॉक शो में हिना खान भी नजर आ रही हैं। आकांक्षा के बारे में हुए इस खुलासे पर उन्होंने भी रिएक्शन दिया है। टॉक शो में रुबिना ने जब आकांक्षा चमोला का बच्चों को लेकर नजरिया बताया तो हिना खान ने कहा, 'हां, कई लोग बच्चों से ज्यादा प्यार डॉग्स से करते हैं। यह तो बहुत बड़ी डिबेट है।' इस पर हिना के पति रॉकी कहते हैं कि यह कोई बड़ी डिबेट नहीं है, इंसानी बच्चे की तुलना आप जानवर के बच्चे से नहीं कर सकते हो।' यही बात रुबिना के पति अभिनव भी कहते हैं।

क्या है रुबिना और हिना के शो का कॉन्सेप्ट?

हाल ही में टीवी सेलेब्स से जुड़ी कुछ कंट्रोवर्सीज पर रुबिना दिलैक और हिना खान ने एक नया टॉक शो शुरू किया। इसमें रुबिना और हिना खान के पति भी शामिल होते हैं। इस शो में सबसे पहले इन चारों ने आकांक्षा चमोला को लेकर बातचीत की, क्योंकि इन दिनों वह कंट्रोवर्सी से घिरी हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई पैपराजी को फटकार

रविवार को सोनाक्षी मुंबई में नवविवाहित आकांक्षा रंजन और डायरेक्टर शरण शर्मा की वेडिंग रिसेप्शन में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, लेकिन एक खास वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया। वीडियो में जब सोनाक्षी रिसेप्शन से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रही थीं, तब पैपराजी लगातार उनकी फोटो और वीडियो ले रहे थे। इस पर सोनाक्षी ने कार में बैठने से मना कर दिया और वहीं खड़ी रहीं। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी ने पैपराजी को लेकर नाराजगी जताई हो। कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाई थी, जब वे उनके माता-पिता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा के बहुत करीब आ गए थे और उन्हें कार में बैठने की जगह नहीं दे रहे थे। उस समय सोनाक्षी अपने पति जहीर इकबाल और माता-पिता के साथ डिनर के बाद बाहर निकली थीं।

स्टार्स की कीमत जनता और प्रोड्यूसर्स बढ़ाते हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर में शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

श्रेयस तलपड़े के हार्ट अटैक का सदमा

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

रवीना और अक्षय के सीन्स पर बोले

रवीना टंडन और अक्षय कुमार के साथ वाले चर्चित दृश्यों पर वह मुस्कुराते हुए बोले, 'अक्षय और रवीना दोनों ही मेरे दोस्त हैं। मगर आज हमारी शादियां हो चुकी हैं, बच्चे बड़े हो चुके हैं। दोनों ने पूरी तरह किरदार निभाया। हमें पता था कि दर्शक इस सीन को अपने तरीके से देखेंगे और मजा लेंगे। (एक जमाने में अक्षय कुमार और रवीना टंडन की अफेयर की खबरें थीं) वही हुआ। सेट पर जैकलीन फर्नांडिस और दिशा पत्नी के बीच कभी कोई कैट फाइट्स नहीं हुई। उल्टा वो दोनों शूटिंग के बाद डिनर पर जाया करती थीं। मगर हां, उस समय हम बहुत ज्यादा चिंतित हो गए थे, जब श्रेयस को शूटिंग के पहले शेड्यूल में ही हार्ट अटैक आ गया था। उनका स्टेंट डाला गया। हमारे लिए वह बहुत बड़ा झटका था, क्योंकि अगले महीने फिर शूटिंग शुरू करनी थी। ऐसे समय पर बहुत टेंशन हो गई थी।'

नए कलाकार भी स्टार्स बन कर मोटी फीस लेते हैं

बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन को लेकर लगातार चर्चाएं चलती रहती हैं। इंडस्ट्री इस बात को लेकर चिंतित है कि फिल्में मनचाही कमाई नहीं कर पा रही हैं। मगर अहमद खान की 'वेलकम टू द जंगल' वर्ल्डवाइड पौने दो सौ करोड़ का बिजनेस कर चुकी है। अहमद समझाते हुए कहते हैं, 'देखिए, फिल्म बनाते समय हर किसी को लगता है कि उसकी फिल्म चलेगी। अगर फिल्म नहीं चलती तो उसका कोई तय इलाज या फॉर्मूला नहीं है। हर शुक्रवार नई फिल्म आती है और हर फिल्म से कुछ नया सीखने को मिलता है। यह पूरी तरह दर्शकों पर निर्भर करता है कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। फिल्म बनाने का कोई रॉकेट साइंस नहीं है। कई लोग स्टार्स प्राइज की बात करते हैं, मगर मेरा मानना है कि स्टार्स की कीमत जनता बढ़ाती है। निर्माता भी बढ़ाते हैं। अगर किसी स्टार को नहीं लिया जाएगा तो कई बार फिल्म ही नहीं बन पाएगी। बाद में नए कलाकार भी सफल होकर वही फीस लेने लगते हैं। इसलिए यह सिलसिला चलता रहता है। कभी स्टार की फीस बढ़ती है, कभी वीएफएक्स का खर्च बढ़ जाता है, कभी किसी और चीज का। हर जगह संतुलन बनाना पड़ता है।'

संक्षिप्त समाचार

ईयू माइग्रेशन कानून पर विवाद : स्वीडिश सांसद ने डेनिश सांसद के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

स्टॉकहोम, एजेंसी। यूरोपीय संसद में हाल ही में पारित सख्त माइग्रेशन कानून को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। स्वीडन की सांसद आबिर अल-सहलानी ने डेनमार्क के सांसद क्रिस्टोफर स्टॉर्म के खिलाफ कथित नस्लीय टिप्पणी को लेकर स्वीडिश पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस मामले की शिकायत यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेट्सोला से भी की है। यह विवाद पिछले महीने यूरोपीय संसद द्वारा पारित रिटर्न रेगुलेशन के बाद शुरू हुआ। नए कानून के तहत यूरोपीय संघ के सदस्य देशों को अवैध प्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया तेज करने के लिए यूरोपीय संघ के बाहर 'रिटर्न हब' स्थापित करने की अनुमति दी गई है। कानून पारित होने के बाद संसद में 'उन्हें वापस भेजो' जैसे नारे लगे। इराकी मूल की स्वीडिश सांसद आबिर अल-सहलानी ने इन नारों की आलोचना करते हुए कहा कि यह कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति का चिंताजनक उदाहरण है और इस घटना के बाद उन्होंने संसद में खुद को असुरक्षित महसूस किया। इसके जवाब में डेनिश सांसद क्रिस्टोफर स्टॉर्म ने सोशल मीडिया पर 'गो होम' टिप्पणी की। अल-सहलानी ने इसे नस्लीय घृणा फैलाने वाली टिप्पणी बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

चीन में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई : पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई पार्टी से निष्कासित

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई को कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मा पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और रिश्तेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप लगे हैं। मा शिंगरुई को अप्रैल में 'कानून और पार्टी अनुशासन के गंभीर उल्लंघन' के आरोप में जांच के दायरे में लिया गया था। जांच में पाया गया कि उन्होंने अधिकारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में दूसरों को अनुचित लाभ पहुंचाया, अपने प्रभाव का दुरुपयोग किया तथा रिश्तेदारों को बाजार मूल्य से कम कीमत पर संपत्ति खरीदने में मदद की। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, मा ने महंगे उपहार स्वीकार किए और अपने परिवार के सदस्यों को सरकारी प्रभाव का इस्तेमाल कर बड़े आर्थिक लाभ दिलाए। जांच एजेंसियों ने इसे बड़े पैमाने पर 'पारिवारिक भ्रष्टाचार' (फैमिली करप्शन) बताया है। मा शिंगरुई पहले चीन के एयरोस्पेस उद्योग में वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं और उन्होंने देश के कई महत्वपूर्ण अंतरिक्ष कार्यक्रमों की जिम्मेदारी संभाली थी।

पोलैंड की नेता ने 'हिटलर' जेलेंस्की की तस्वीर कूड़ेदान में फेंकी

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड की राजनेता और क्राकोव की मेयर पद की उम्मीदवार मरिआना श्राइबर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की तस्वीर कूड़ेदान में फेंक दी। उन्होंने यूक्रेन पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश नागरिकों के नरसंहार से जुड़े विवादित राष्ट्रवादी संगठनों और नेताओं का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। वीडियो में श्राइबर ने जेलेंस्की की एक तस्वीर दिखाई, जिस पर हिटलर जैसी मूंछ बनाई गई थी। इसके बाद उन्होंने तस्वीर को मोड़कर कूड़ेदान में फेंकते हुए कहा कि 'अपराधियों का महिमामंडन करने वालों की जगह इतिहास के कूड़ेदान में है।' साथ ही आरोप लगाया कि यूक्रेन ने अब तक पोलिश नागरिकों के नरसंहार के लिए औपचारिक माफी नहीं मांगी है। श्राइबर ने यह टिप्पणी 11 जुलाई 1943 की 'ब्लडी संडे' घटना की बरसी पर की। उस दिन यूक्रेनी विद्रोही सेना ने वोल्हीनिया क्षेत्र के पोलिश गांवों पर एक साथ हमले किए थे।

'शेख हसीना लौटें, कानून का सामना करें' : बांग्लादेश सरकार बोली– वापसी का स्वागत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संभावित देश वापसी का स्वागत करते हुए कहा है कि उन्हें अदालत का सामना करना होगा। सरकार का कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और अदालत का फैसला कानून के अनुसार लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री के सूचना एवं रणनीति सलाहकार जाहेद उर रहमान ने मंगलवार को मीडिया से कहा कि सरकार चाहती है कि शेख हसीना देश लौटें ताकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो सके। 78 वर्षीय शेख हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के दौरान सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत आ गई थीं और तब से यहीं रह रही हैं। नवंबर 2024 में ढाका के विशेष न्यायाधिकरण ने छात्र आंदोलन पर कथित दमन और 'मानवता के खिलाफ अपराध' के मामले में उन्हें अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी।

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे, 8 महीने के मिशन पर गए हैं आईएसएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आठ महीने के अपने पहले अंतरिक्ष मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए हैं। वे रूस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से उड़ान भरने के बाद सुरक्षित रूप से आईएसएस पहुंचे, जहां वे वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संबंधी प्रयोगों में हिस्सा लेंगे। कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपण के बाद करीब तीन घंटे और दो ऑर्बिट की यात्रा पूरी कर सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान दोपहर 1:52 बजे (ईडीटी) आईएसएस के प्रिचल मॉड्यूल से जुड़ा। मेनन के साथ रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी ऑर्बिटल प्रयोगशाला पहुंचे। इससे पहले तीनों अंतरिक्ष यात्री सुबह 10:47 बजे (ईडीटी) यानी स्थानीय समयानुसार शाम 7:47 बजे बैकोनूर से रवाना हुए थे। उनके आईएसएस पहुंचने के बाद अगले लगभग दो सप्ताह के लिए स्टेशन पर क्रू सदस्यों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

लॉन्च से पहले, मेनन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था, 'यूनाइटेड स्टेट्स स्पेस फोर्स की सेवा करने और नासा तथा हमारे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के समर्थन में आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरने पर गर्व है! उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा, 'कजाकिस्तान से सोयुज एमएस-29 पर लॉन्च होने और नासा तथा एक्सपेडिशन 74/75 के समर्थन में आठ महीने के मिशन की

शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं। नासा कम्युनिटी, दोस्तों, परिवार और प्रियजनों का आभारी हूं और कल के लिए उत्साहित हू। नासा के एस्ट्रोनॉट जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स; यूरोपियन स्पेस एजेंसी की एस्ट्रोनॉट सोफी एडेनोट; और रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट सर्गेई कुड-स्वेरचकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रे फेड्याएव ने नए लोगों का स्वागत किया। इस मिशन को लेकर नासा की ओर से कहा गया कि मेनन, डुब्रोव और किकिना अप्रैल 2027 तक ऑर्बिटल लेबोरेटरी में रहेंगे। यह मेनन की अंतरिक्ष की पहली यात्रा है और डुब्रोव तथा किकिना दोनों के लिए यह दूसरा मिशन है। मिशन के दौरान मेनन वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन से जुड़े कई प्रयोग करेंगे, जिनका उद्देश्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाना है। वे अंतरिक्ष में सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के उत्पादन को बेहतर बनाने संबंधी शोध करेंगे, जिससे हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम और बेहतर मेडिकल डिवाइस के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का बड़े पैमाने पर निर्माण किया जा सकती है। मेनन ऑगमेंटेड रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तरीकों का इस्तेमाल करके अल्ट्रासाउंड भी करेंगे, जिससे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों में पृथ्वी से मेडिकल सपोर्ट की जरूरत खत्म हो सकती है। नासा ने कहा कि मेनन उन स्टडीज में टेस्ट सब्जेक्ट के तौर पर भी काम करेंगे जिनमें यह देखा जाएगा कि अंतरिक्ष में ब्लड फ्लो कैसे बदलता है। साथ ही, वे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने और इलाज के नए तरीकों को विकसित करने के लिए माइक्रोग्रैविटी में बायोप्रिंटिंग वैस्कुलर कंस्ट्रक्ट्स का टेस्ट भी करेंगे।

नासा ने बताया कि ऑर्बिटल आउटपोस्ट पर अपना आठ महीने का साइंस मिशन पूरा करने के बाद विलियम्स, कुड-स्वेरचकोव और मिकाएव के जाने के बाद, 26 जुलाई को 'एक्सपीडिशन 75' शुरू होगा। 25 जुलाई को कमांड सौंपने का समारोह होगा, जिसमें स्टेशन की कमांड कुड-स्वेरचकोव से जेसिका मीर को सौंपी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से लगातार मानव उपस्थिति बनी हुई है। माइक्रोग्रैविटी के कारण यह वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक अनूठी प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है, जहां ऐसे कई प्रयोग संभव हैं जिन्हें पृथ्वी पर करना कठिन या असंभव है। यहां होने वाले अनुसंधान से चिकित्सा, इंजीनियरिंग, जीवविज्ञान और पदार्थ विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रगति होती है तथा चंद्रमा और मंगल पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में भी मदद मिलती है।

पुल, पावर प्लांट सब तबाह कर देंगे, डोनाल्ड ट्रंप की खुली चेतावनी, फिर मच सकता है हाहाकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ सीजफायर अब पूरी तरह टूट चुका है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर समझौता तोड़ने के आरोप लगाए हैं और भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। इस बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान जल्द से जल्द बातचीत की मेज पर नहीं लौटता, तो अगले हफ्ते से अमेरिकी सेना ईरान के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह तबाह कर देगी। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरानियों के पास डील करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

ट्रंप ने ईरान संग तनाव बढ़ने के बाद फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'अगला हफ्ता उनके लिए बहुत बुरा होने वाला है क्योंकि अगले हफ्ते पावर प्लांट्स का नंबर आएगा। अगले हफ्ते पुलों की बारी आएगी। हम उनके सभी पावर प्लांट्स और सभी पुलों को उड़ा देंगे, जब तक कि वे समझौता नहीं कर लेते।' वहीं जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि अमेरिकी सेना का यह अभियान कब तक जारी रहेगा, तो उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा, 'ये हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक मैं यह न कह दूं कि अब बहुत हो गया।' ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के पास समझौता करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

तैनात किए 20 से ज्यादा युद्धपोत तैनात : ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना लगातार चौथे दिन ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि ईरान के सभी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में नाकेबंदी को दोबारा पूरी तरह लागू कर दिया गया है। अमेरिकी सेना ने 20 से अधिक युद्धपोत और सैकड़ों लड़ाकू विमान भी तैनात कर दिए हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका के ऐक्शन पर ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के उप-विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका ने इस्लामाबाद समझौता तोड़ दिया है। गरीबाबादी ने कहा, 'अमेरिका ने फिर से नाकेबंदी लागू करके और शर्तों से पीछे हटकर इस्लामाबाद समझौते को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।' ईरान का साफ कहना है कि अमेरिका की इस आर्थिक और सैन्य नाकेबंदी के दबाव में वे किसी भी तरह की बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटेंगे। ऐसे में वैश्विक तेल और ऊर्जा बाजार पर एक बार फिर भारी संकट मंडराने लगा है। बता दें ईरान और अमेरिका के बीच बीते 28 फरवरी को भीषण जंग शुरू हो गई थी जिसमें हजारों लोग मारे गए। करीब 4 महीनों तक मची तबाही के बाद 17 जून को एक युद्धविराम समझौते पर सहमति बनी थी। इस समझौते के तहत 60 दिनों के लिए हमलों को रोकने पर सहमति बनी। वहीं परमाणु कार्यक्रम सहित अन्य मुद्दों पर आगे की बातचीत शुरू की जानी थी। हालांकि अब बातचीत रद्द कर दी गई है।

ट्रंप का बड़ा बयान : रूस पर नए प्रतिबंधों में ईरान और हिज्बुल्लाह को भी किया जा सकता है शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की ओर से समर्थित उस कानून में रूस पर लगाए जाने वाले कड़े प्रतिबंधों को बढ़ाकर ईरान और हिज्?बुल्लाह को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत और चीन जैसे देशों से जुड़े प्रस्तावों पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। व्हाइट हाउस में इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के साथ बैठक के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस कानून पर हस्ताक्षर करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि सांसद इस प्रतिबंध पैकेज का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम ग्राहम के सम्मान में उठाया जा सकता है, क्योंकि वह रूस के खिलाफ कड़े कदमों के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता है कि लिंडसे इसे बहुत चाहते थे।' उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि वे इसमें ईरान को भी जोड़ सकते हैं। वे ईरान को जोड़ेंगे, जो एक बहुत बड़ा कदम होगा। वे हिज्बुल्लाह को भी इसमें शामिल कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव पर अभी बातचीत चल रही है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने के लिए काफी समर्थन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस पर विचार कर रहे हैं, लेन वे इसे गंभीरता से आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। यह लिंडसे के सम्मान में है, और यह उनका सबसे बड़ा मुद्दा था। वह इसे सी भी दूसरी चीज से ज्यादा चाहते थे। उन्होंने कहा, 'इस बात की अच्छी संभावना है यह हो जाएगा। जब उनसे पूछा गया क्या इस कानून में भारत और चीन जैसे देशों पर लगाए जाने वाले द्वितीयक प्रतिबंध भी शामिल होंगे, तो ट्रंप ने कहा अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, 'अगर यह चीन, भारत और दूसरे देशों पर द्वितीयक प्रतिबंधों की बात है, तो हमें देखना होगा। इस पर अभी चर्चा नहीं हुई है।' यह बयान ट्रंप और इराकी प्रधानमंत्री के बीच इराक, ईरान और मध्य-पूर्व के मुद्दों पर हुई लंबी बातचीत के दौरान आया। ट्रंप ने एक बार फिर कहा क्षेत्र में ईरान का प्रभाव काफी कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है मध्य-पूर्व अब एक साथ आ रहा है।' ट्रंप ने कहा, 'हम मध्य-पूर्व के दबंग को हटा रहे हैं। ईरान मध्य-पूर्व का दबंग था। उसने इराक और हर दूसरे देश को डराया-धमकाया।' उन्होंने आगे कहा अब कोई डर नहीं है।

थाइलैंड में भारतीयों के लिए बिना वीजा के एंट्री जारी, लेकिन एक शर्त; पूरा मामला क्या

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड में भारतीय पासपोर्ट धारकों को बिना वीजा एंट्री मिलती रहेगी। हालांकि इसमें एक बदलाव भी किया गया है। बिना वीजा के भारतीय थाइलैंड में अधिकतम 30 दिन तक ही रुक पाएंगे। यह वजह, थाई सरकार ने एक खास वजह से लिया है। असल में भारतीयों के वीजा-फ्री एंट्री पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव के बाद से भारतीय पर्यटकों की संख्या में काफी ज्यादा गिरावट आई थी। बता दें कि थाइलैंड के लिए भारत एक बड़ा मार्केट है। बड़ी संख्या में भारतीय थाइलैंड घूमने के लिए जाते हैं।

इसलिए लिया गया फैसला : थाइलैंड कैबिनेट ने मंगलवार को अपनी साप्ताहिक बैठक में भारतीय यात्रियों के लिए 30 दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दे दी। पर्यटन मंत्री सुरसक पंचरोएनवोराकुल ने कहाकि इस कदम का उद्देश्य भारतीय पर्यटकों के लिए चीजों को आसान करना है।

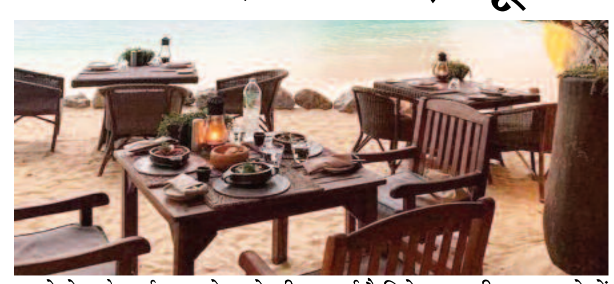

इससे देश के पर्यटन उद्योग को भी सपोर्ट मिलेगा। उन्होंने कहाकि इसलिए कैबिनेट ने भारतीय पर्यटकों के लिहाज से 30 दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दी। यह थाइलैंड के लिए एक बड़ा बाजार हैं। साथ ही पर्यटन मंत्री ने यह भी कहाकि अगर भविष्य में इस कदम से कोई समस्या आती है, तो सरकार इसकी समीक्षा कर सकती है।

पहले क्या था प्रावधान : भारतीय यात्रियों को फिलहाल बिना वीजा के थाइलैंड में 60 दिनों तक रहने की अनुमति है। लेकिन मई में थाई कैबिनेट द्वारा वीजा-मुक्त देशों की सूची को 93 से घटाकर 54 करने और 30 दिन की अवधि तय करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद यह पॉलिसी खत्म होने वाली थी। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है। पर्यटन मंत्री के अनुसार, इस घोषणा ने भारतीय यात्रियों के बीच भ्रम पैदा कर दिया और यहां से थाइलैंड आने वालों की संख्या काफी कम हो गई। भारत इस साल चीन और मलेशिया के बाद थाईलैंड के लिए तीसरा सबसे बड़ा टूरिस्ट सोर्स है।

कुछ अन्य देशों को भी छूट : भारत के साथ-साथ, थाइलैंड ने क्रोएशिया, बुल्गारिया, साइप्रस, माल्टा और मालदीव के यात्रियों के लिए भी 30-दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दी है। यह जानकारी डिप्टी सरकारी प्रवक्ता प्लॉयटाले लक्समीसांगचन ने दी। इस नए फैसले के बाद 30-दिन की वीजा-फ्री एंट्री के लिए योग्य देशों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इसमें सभी 27 यूरोपीय संघ के सदस्य देश भी शामिल हैं।

क्यों बदल रहे वीजा पॉलिसी : वीजा नीति में बदलाव ऐसे समय में आ रहे हैं जब प्रधानमंत्री अनुतिन चर्णविराकुल की सरकार उन विदेशी देशों पर कड़ी निगरानी रखना चाहती है जिन पर थाइलैंड के वीजा-फ्री सिस्टम का गलत तरीके से इस्तेमाल करके गैरकानूनी गतिविधियां करने का आरोप है।

चुनाव से पहले सुलगा पीओके: मुजफ्फराबाद कूच से पहले पुलिस की गोली से नौ मरे, खूनी झड़प के बाद राजधानी की घेराबंदी

मुजफ्फराबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान सरकार के खिलाफ चल रहा आंदोलन, जन आक्रोश में बदल गया है। ज्वॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बुधवार को प्रस्तावित मुजफ्फराबाद मार्च से पहले पूंछ डिवीजन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस एवं पाकिस्तान रेंजर्स की रातभर हुई हिंसक झड़पों में नौ लोगों की मौत हो गई।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ा : इस हिंसा में पाकिस्तान रेंजर्स के दो जवानों की भी मौत हुई है। घटना को लेकर प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के दावे अलग-अलग हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। हजारों प्रदर्शनकारी आज रावलकोट, मीरपुर, कोटली, बाग और अन्य जिलों से मुजफ्फराबाद की ओर कूच करेंगे, जबकि पाकिस्तान प्रशासन ने राजधानी मुजफ्फराबाद में अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा तैनात कर दिया है। पीओके के गृह सचिव चौधरी गुफ्तार हुसैन के हवाले से पाकिस्तानी अखबार डॉन ने खबर दी है कि प्रशासन किसी दबाव में नहीं आएगा और जेएएसी के आंदोलन को निर्ममता से कुचल दिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार सुधनोती जिले के बलोच इलाके में सुरक्षाबलों के काफिले पर पहले प्रदर्शनकारियों ने फायरिंग की, जिसमें रेंजर्स के एक जवान की मौत हुई। वहीं जेएएसी समर्थकों का आरोप है कि गोलीबारी की शुरुआत सुरक्षाबलों ने की। सुरक्षा काफिला कोटली सरसावा से बलोच की ओर बढ़ रहा था, तभी सारन और बलोच गांवों के पास ग्रामीणों ने उसका रास्ता रोक दिया और इसके बाद हिंसक टकराव शुरू हो गया। मार्च से पहले पूरे क्षेत्र में आंदोलन तेज हो गया है। आठ जिलों में बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। रावलकोट के बाहरी इलाके में हजारों समर्थक कई दिनों से डेरा डाले हुए हैं। पूरा घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है जब 27 जुलाई को पीओके की 45 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान होना है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले भड़का यह आंदोलन पाकिस्तान सरकार के लिए हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आंतरिक चुनौती बन गया है।

12 आरक्षित सीटों को लेकर भड़के लोग : जेएएसी की सबसे प्रमुख मांग विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की है। संगठन का आरोप है कि इन सीटों के जरिये पाकिस्तान की मुख्यधारा की पार्टियां उन लोगों के वोट से मुजफ्फराबाद में सरकार बनवाती हैं जो पीओके में रहते ही नहीं हैं। जून में पीओके के सुप्रीम कोर्ट ने इन सीटों को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त बताते हुए कहा था कि इन्हें केवल विधायी संशोधन के जरिये ही बदला जा सकता है। अदालत के इस फैसले के बाद आंदोलन और भड़क गया।

यूएन में भारत की दो-टूक: 80 साल पुरानी व्यवस्था बदलने की उठाई मांग, कहा- सुरक्षा परिषद में अब सुधार जरूरी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। भारत ने मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में व्यापक सुधारों के लिए अपनी मांग दोहराई। इसके साथ ही बहुपक्षवाद को भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार, महासभा को पुनर्जीवित करने और आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) की भूमिका को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

राजदूत हरीश परवथानेनी ने क्या कहा : भविष्य के लिए समझौते की समीक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनौपचारिक बैठक के दौरान बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाना' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथानेनी ने कहा, 'भारत के लिए, बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाने की शुरुआत यह सुनिश्चित करने से होती है कि वैश्विक संस्थाएं समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने आगे कहा कि यह सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, महासभा के पुनरुद्धार और आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय तीनों आयामों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में ईसीओएसओसी की मजबूत भूमिका की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।'

संघर्षों को लेकर क्या कहा : उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के बारे में जनता की धारणा हाल के दिनों में प्रतिकूल रूप से बदल गई है, जिसका मुख्य कारण विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों में सुरक्षा परिषद की सार्थक हस्तक्षेप करने में असमर्थता है। सुरक्षा परिषद प्रभावित आबादी के बीच मानवीय पीड़ा को समाप्त करने में अप्रभावी रही है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मूल सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सवालों के घेरे में आ गया है।'

परिषद की कमियां का क्या कारण : उन्होंने तर्क दिया कि परिषद की कमियां इसकी पुरानी संरचना के कारण हैं। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा परिषद की कमियों का मूल कारण स्पष्ट है। 1940 के दशक के लिए बनाई गई अस्सी साल पुरानी संरचना समकालीन चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ है। एक संगठन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार लाने में कोई खास प्रगति नहीं कर पाया है। अब तक की चर्चाएं आईएनजी ढांचे के तहत तैयार बयानों के अंतहीन चक्र तक ही सीमित रही हैं। कार्रवाई बिंदु 39 से 41 काफी हद तक कागजों पर ही रह गए हैं। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है और इसमें बदलाव होना चाहिए। भविष्य के समझौते का जिक्र करते हुए भारतीय राजदूत ने कहा कि अंतर-सरकारी वार्ताओं (आईजीएन) के कार्य बिंदुओं का मसौदा समझौते के सह-सुविधाकर्ताओं के बजाय तत्कालीन आईजीएन सह-अध्यक्षों द्वारा तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को उन प्रावधानों पर महत्वपूर्ण आपत्तियां हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक भावना से समझौते का समर्थन करता है।

ईरान के आईआरजीसी ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने 'ऑपरेशन नस्र 2' के तीसरे चरण के दौरान बहरीन और कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर हमले किए. ये अटैक तेहरान पर हालिया अमेरिकी हमलों का बदला था. आईआरजीसी के एक बयान और ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, इस ऑपरेशन में बहरीन और कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए. आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नेवी और एयरोस्पेस फोर्सेज ने बहरीन में शेख ईसा एयर बेस पर कई हथियार और इक्विपमेंट स्टोरेज शेड, साथ ही अमेरिकी जहाजों और एयरक्राफ्ट के पार्ट्स को निशाना बनाया. इसमें आगे कहा गया कि ऑपरेशन ने कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस पर एमक्यू-9 ड्रोन की तैनाती के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रैंप पर हमला किया, जिससे कई ड्रोन नष्ट हो गए. बयान में कहा गया, 'ऑपरेशन नस्र 2 की तीसरी लहर में आईआरजीसी नेवी और एयरोस्पेस फोर्सेज के बहादुर योद्धाओं ने कुछ घंटे पहले बहरीन में शेख ईसा बेस पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन के दौरान दुश्मन के जहाजों और एयरक्राफ्ट के लिए कई हथियार और पार्ट्स स्टोरेज शेड को नष्ट कर दिया.' इसमें आगे कहा गया, 'उन्होंने कुवैत में अली सलेम बेस पर दुश्मन के एमक्यू-9 ड्रोन की तैनाती के रैंप पर भी हमला किया, जिससे कई ड्रोन नष्ट हो गए या उन्हें नुकसान पहुंचा.' बयान के मुताबिक ये हमले आईआरजीसी के बताए अनुसार दिन में पहले ईरान के कई तटीय मिलिट्री ठिकानों पर अमेरिकी मिलिट्री हमलों के जवाब में किए गए थे. बयान में कहा गया, 'जब तक अमेरिका के जुर्म जारी रहेंगे, हमलावरों पर जवाबी कार्रवाई और सजा जारी रहेगी, और अगर ये हमले दोबारा हुए, तो उन्हें हैरान करने वाले जवाब

मिलेंगे.' आईआरजीसी ने यह भी चेतावनी दी कि इस इलाके में अमेरिकी मिलिट्री कार्रवाई जारी रहने से एनर्जी एक्सपोर्ट पर असर पड़ेगा, यह दावा करते हुए कि 'जब तक इस इलाके में अमेरिका की बुराइयां मौजूद हैं, तब तक इस इलाके से तेल या गैस की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी. साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने में सिर्फ देरी होगी.' दिन में पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि अमेरिकी सेना ने 13 जुलाई को रात 10:15 बजे ईस्टर्न टाइम पर ईरानी मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर पर कोऑर्डिनेटेड हमलों की एक और सीरीज पूरी कर ली है. मिलिट्री कमांड के मुताबिक पांच घंटे के ऑपरेशन में बुशहर, चाह बहार, जस्क, कोनारक, अबू मूसा और बंदर अब्बास में ईरान के दक्षिणी तट पर मौजूद खास ठिकानों को निशाना बनाया गया. सेंटकॉम ने कहा कि ईरानी कोस्टल डिफेंस सिस्टम, मिसाइल लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर, ड्रोन पोजीशन और नौसैनिक क्षमताओं को बेअसर करने के लिए प्रिसिजन-गाइडेड हथियार तैनात किए गए थे. अमेरिकी मिशन का बताया गया मकसद होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल शिपिंग लेन को खतरे में डालने की तेहरान की क्षमता को सिस्टमैटिक तरीके से कम करना है. ये दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री ट्रेड कॉरिडोर में से एक है. अमेरिकी मिलिट्री ने बताया कि मिडिल ईस्ट में 50,000 से ज़्यादा अमेरिकी सर्विस मेंबर अभी भी तैनात हैं. इससे इस बात पर जोर दिया गया कि सेना लड़ाई के लिए तैयार है. हाल की बातचीत से पता चलता है कि पश्चिम एशिया में लड़ाई बहुत ज़्यादा बढ़ गई है, जो ईरान के अंदर टारगेटेड अमेरिकी हमलों से बढ़कर खाड़ी के पार मौजूद अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर सीधे जवाबी हमलों तक पहुँच गई है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)